हंसने का महत्त्व

लुसील बॉल की कहानी

लेखिका : ऐन डोनेगन जॉनसन

हिंदी: योगेश

हंसने का महत्त्व

लुसील बॉल की कहानी

लेखिका : ऐन डोनेगन जॉनसन

हिंदी: योगेश

यह कहानी मशहूर अभिनेत्री और हास्य कलाकार लुसील बॉल के बारे में है। जो कथा आगे दी गई है, वह उनके जीवन की घटनाओं पर आधारित है। लुसिल बॉल के बारे में और ऐतिहासिक तथ्य पृष्ठ 63 पर उपलब्ध हैं।

एक समय की बात है...

ज़्यादा समय पहले नहीं, एक छोटी लड़की थी जिसका नाम लुसील बॉल था, जिसे सबके आकर्षण का केंद्र बने रहना बहुत पसंद था। लूसी अपनी माँ डेसिरी (जिन्हें डे-डे भी कहा जाता था), और अपने छोटे भाई फ्रेड के साथ डे-डे के माता-पिता — फ्रेड और फ्लोराबेल हंट — के घर में रहती थी।

फ्रेड हंट एक उत्साही और अनोखे स्वभाव के व्यक्ति थे, जिन्हें पियानो बजाना और संगीत की धुनें गुनगुनाना बहुत पसंद था। वह लूसी के संगीत और प्रदर्शन के शौक को प्रोत्साहित करते थे।

यह एक शोर-गुल और हलचल से भरा घर था, जिसमें दोस्तों, चचेरे-भाइयों-बहनों, और उन सभी लोगों की भीड़ लगी रहती थी जिनके लिए उदार-हृदय फ्रेड समझते थे की उन्हें भोजन की ज़रूरत है।

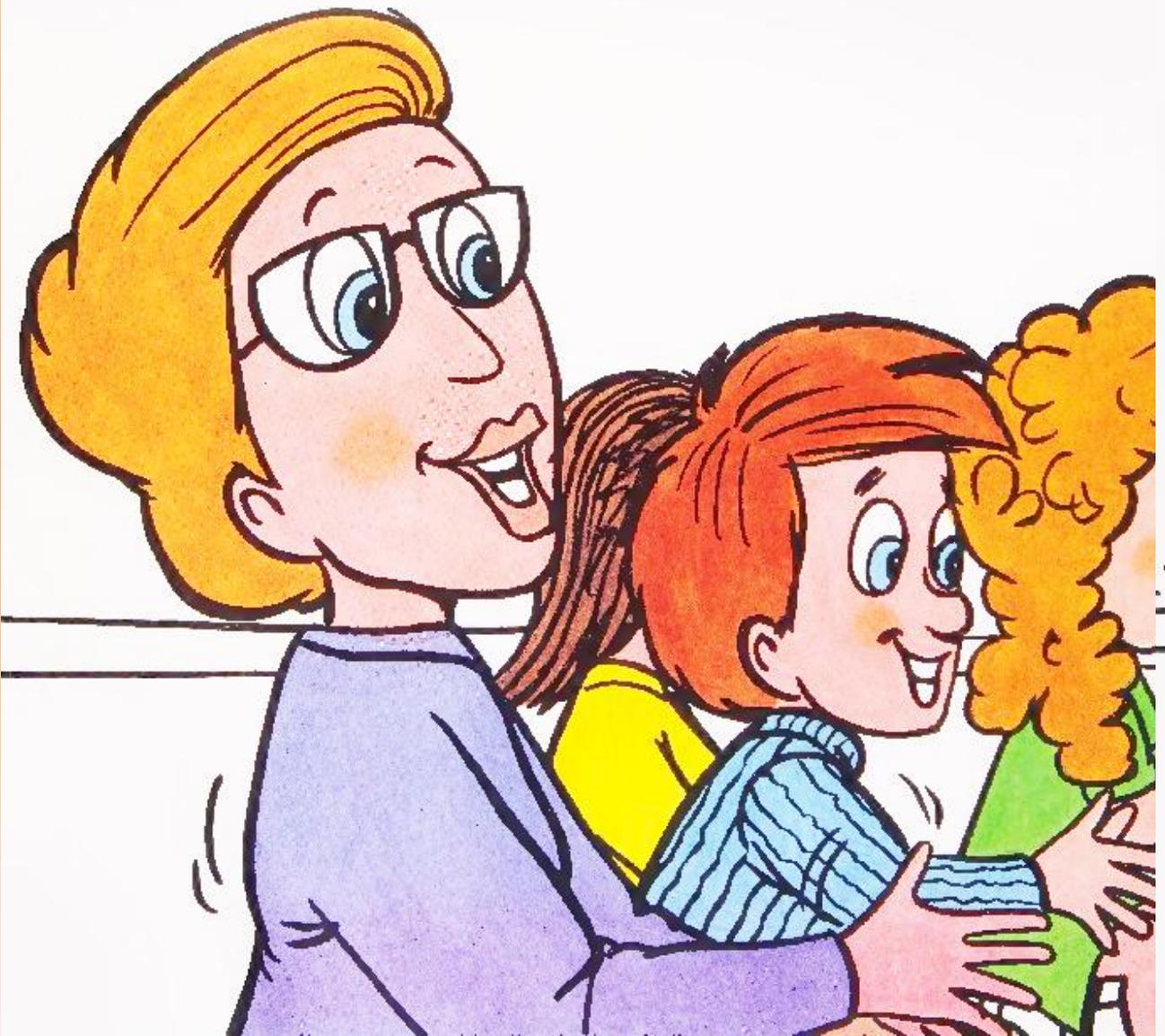

वहाँ एक मंच भी था जहाँ अनेक प्रकार के नाटक और संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते थे। लूसी को वॉडविल (vaudeville) नामक कार्यक्रम बहुत पसंद थे, जिनमें गाना, नृत्य, मूक अभिनय, कसरतें और यहाँ तक कि प्रशिक्षित जानवर भी शामिल होते थे। ऐसे कार्यक्रमों में कुछ भी हो सकता था, और यह लगभग हमेशा मज़ेदार होता था।

हंट परिवार का घर सेलोरॉन में था, जो न्यूयॉर्क के जेम्सटाउन का एक उपनगर था। यह देश के सबसे अच्छे मनोरंजन पार्कों में से एक—सेलोरॉन पार्क—के पास था, जो लूसी, फ्रेड और उनके छोटे चचेरे भाइयों को एक अंतहीन आश्चर्यलोक जैसा लगता था। पार्क में सब कुछ था—गधे, टट्टू और ऊँट की सवारी; जिप्सी भविष्यवक्ता; रोलर-कोस्टर; एक बॉलरूम, बोर्डवॉक और बैंडस्टैंड; एक चिड़ियाघर, एक मेरी-गो-राउंड और एक रोलर-स्केटिंग रिंक; और भी बहुत कुछ।

लूसी को “पेनी फ्लिकर्स” (penny flickers) नमक कार्यक्रम भी बहुत पसंद थे। ये छोटी, मूक फ़िल्में होती थीं, जिनकी झिलमिलाती तस्वीरों के साथ लाइव पियानो संगीत बजाया जाता था। वे जीवंत कहानियाँ सुनाती थीं—परेशान युवतियों की, दुष्ट खलनायकों की, श्रेष्ठ नायकों की और मसखरों की, जिनमें महान हास्य कलाकार चार्ली चैपलिन और बस्टर कीटन भी शामिल थे।

ये चलचित्र 1920 में, जब लूसी नौ साल की थी, एक अपेक्षाकृत नया आविष्कार थे। हालाँकि काले-सफेद चित्र छोटी स्क्रीन पर हल्के-हल्के झिलमिलाते थे, फिर भी लूसी को उनमें बहुत आनंद आता था—क्योंकि उनमें उसे दूसरी जगहों और दूसरे समयों में ले जाने की शक्ति थी, और उसे हँसाने की भी।

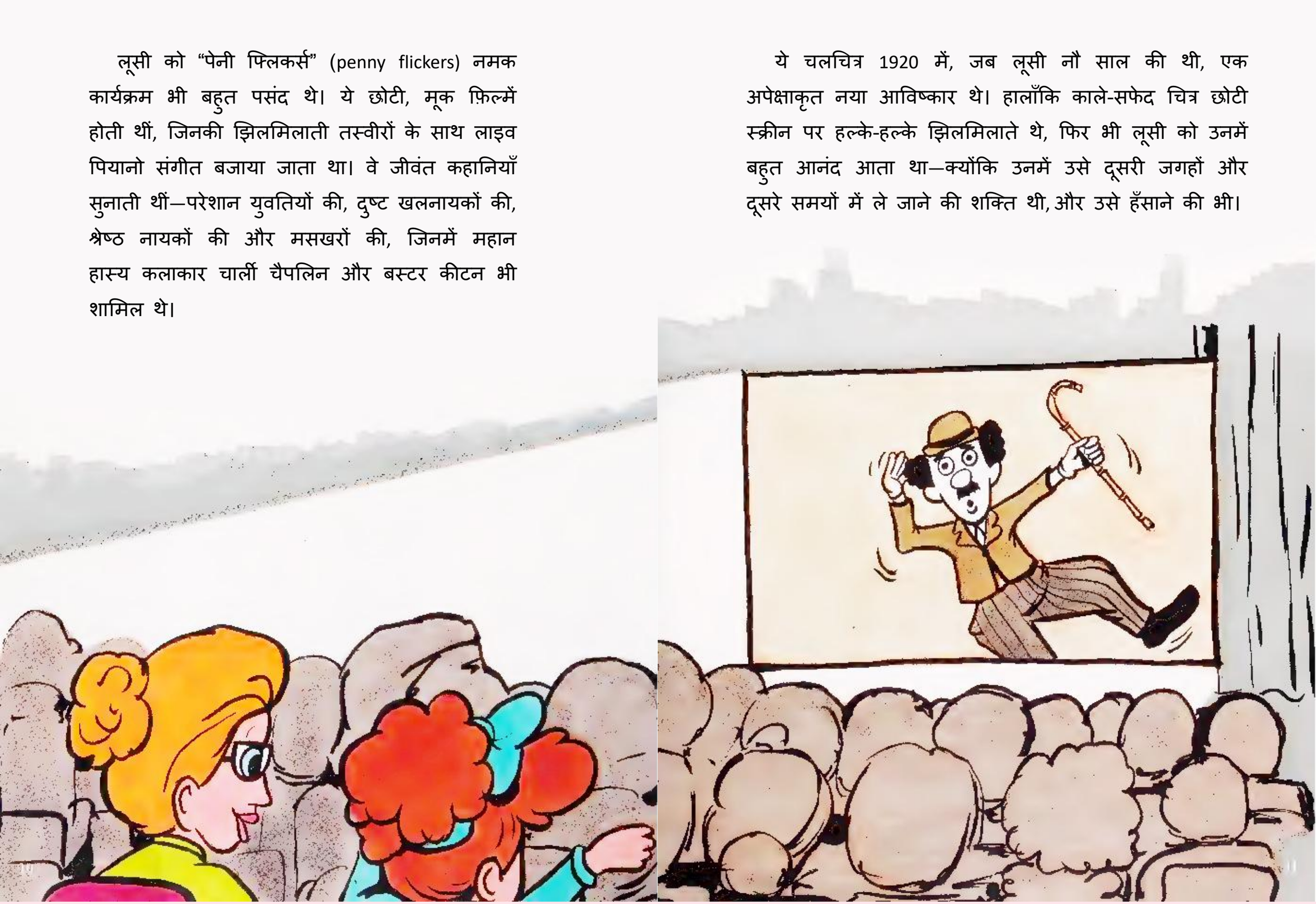

जितनी भी फ़िल्में लूसी ने देखीं, उनमें उसे हास्य फ़िल्में सबसे ज़्यादा पसंद थीं। उन्हें देख कर वह आज़ाद, खुश और उम्मीद से भरा हुआ महसूस करती थी। लूसी इस बात की प्रशंसा करती थी कि उन फ़िल्मों के अभिनेता और अभिनेत्री किस तरह लोगों को उनकी परेशानियाँ भुला देने में सहायक होते थे।

"यही तो मैं करना चाहती हूँ," लूसी ने सोचा, जब वह बोर्डवॉक पर उछलते-कूदते आगे बढ़ रही थी।

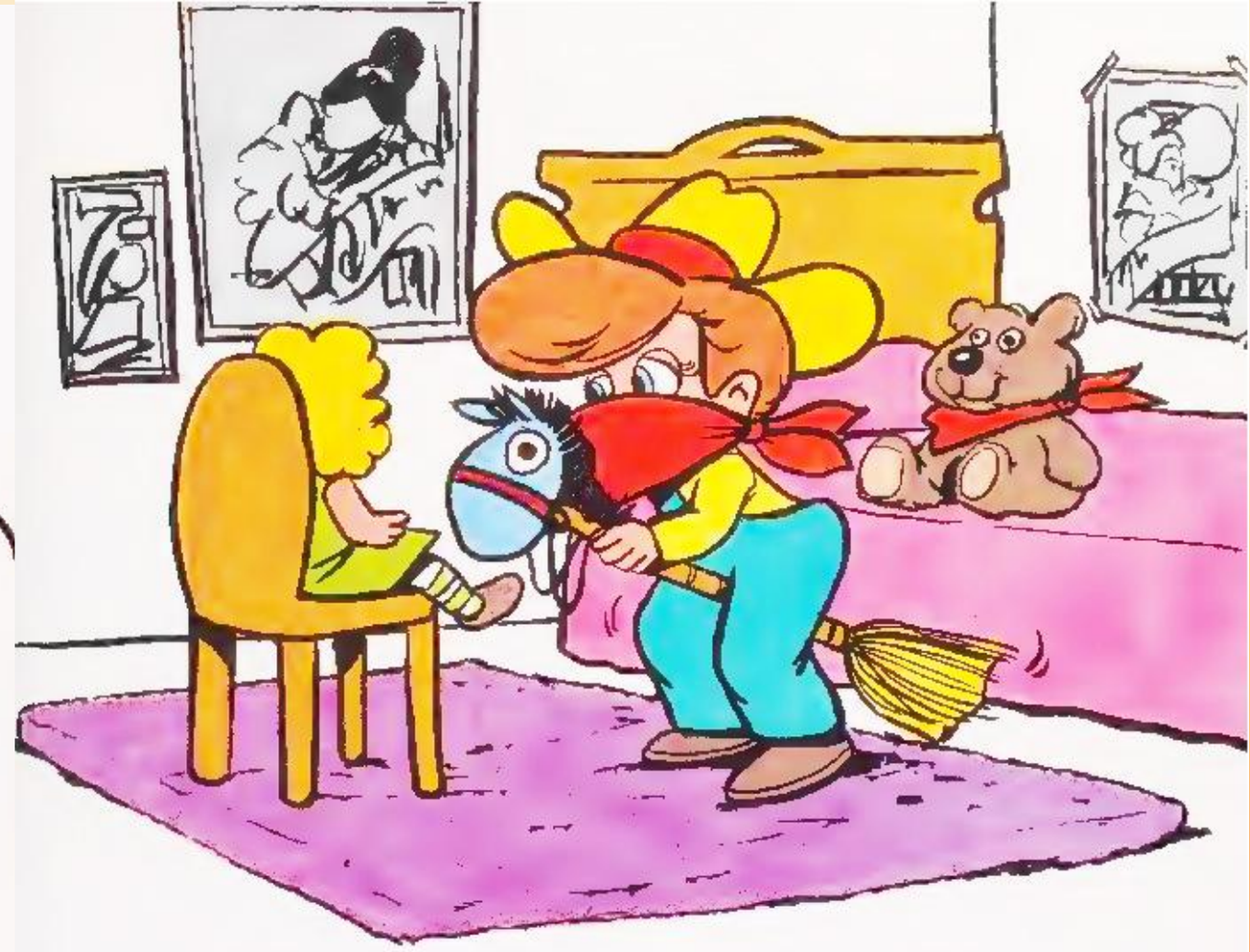

जब भी वह कोई कार्यक्रम नहीं देख रही होती थी, तो लूसी अपनी कहानियाँ खुद बना लेती थी। वह अपनी गुड़ियों के साथ तरह-तरह के खेल खेलती, जिनमें वह कभी एक आकर्षक अभिनेत्री बन जाती, तो कभी एक चंचल ग्वालन।

अपनी माँ की तरह, लूसी भी बुद्धिमान, भावुक और ऊर्जावान थी। उसकी कल्पनाशक्ति भी बहुत प्रबल थी।

लूसी का सपना था अपने आपको एक बाल सितारे के रूप में देखना। वह नृत्य और गायन की कक्षाएँ लेने पर अड़ी रहती थी। और यह उन पियानो की कक्षाओं के अलावा थीं, जो देदे ने उसे तब से दिलानी शुरू कर दी थीं जब वह बेंच पर बैठने लायक हुई थी। उसका परिवार लूसी के सपनों को समझता था, हालांकि वे कभी यह उम्मीद नहीं करते थे कि उनसे कुछ खास होगा। उन्हें तो बस लूसी को खुश देखना अच्छा लगता था। और लूसी को "नहीं" कहना बेकार था—वह हमेशा वह काम करने का कोई न कोई तरीका ढूंढ ही लेती थी, जो वह करना चाहती थी।

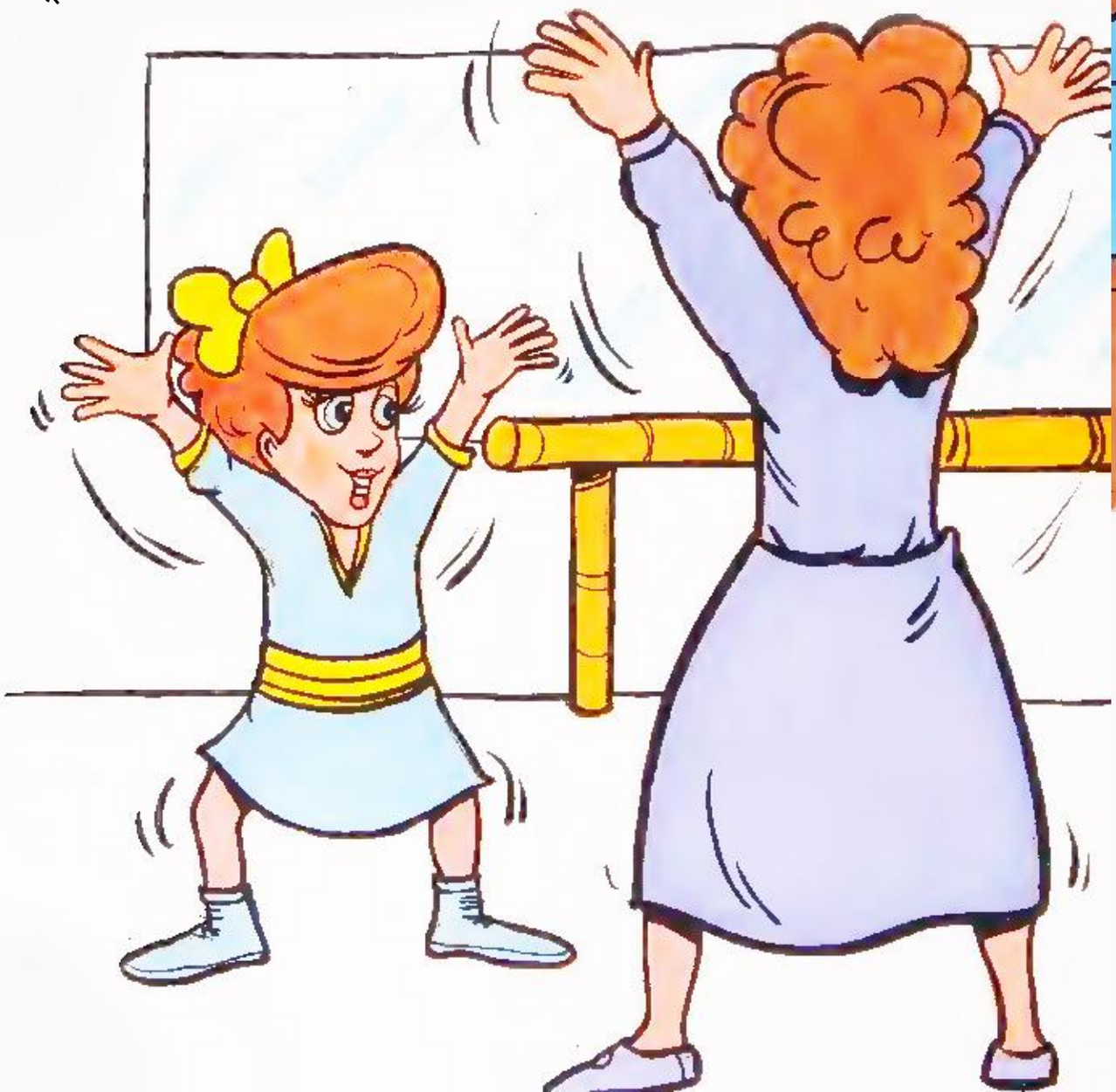

जब वह ग्यारह साल की थी, लूसी की खुशहाल दुनिया उसकी प्यारी दादी फ्लोराबेल की मृत्यु से टूट गई। लूसी का रो-रो कर बुरा हाल था। इस घटना ने उसे उसके पिता की दर्दनाक याद फिर से दिला दी, जिनका टायफाइड बुखार से तब निधन हो गया था जब लूसी केवल साढ़े तीन साल की थी। आठ साल पहले, उसके पिता हेनरी बॉल अचानक टायफाइड बुखार से बीमार पड़ गए थे, जिसके लिए कोई तब इलाज नहीं था। बीमारी संक्रामक होने के कारण पड़ोसी और दोस्त उस युवा परिवार से मिलने भी नहीं आ सकते थे। नन्ही लूसी ने खुद को पहले कभी इतना अकेला महसूस नहीं किया था।

दादी फ्लोराबेल की मृत्यु ने लूसी को याद दिलाया कि प्यार और स्नेह अचानक गायब हो सकते हैं। दुनिया अब उसे डरावनी सी लगने लगी थी।

लूसी के आँसू उसके भाई और चचेरे भाइयों ने बीच में ही रोक दिए। “क्या तुम पार्क नहीं चल रही?” फ़्रेड ने पूछा। पहली बार, लूसी का सेलोरन पार्क जाने का मन नहीं किया। जब वह इतनी दुखी थी, तो वह हास्य कलाकारों और जोकरों को कैसे देख सकती थी ?

लेकिन बाकी सबने उसे मनाकर साथ चलने को तैयार कर लिया। शुरू-शुरू में, लूसी ने वॉडविल शो पर ध्यान ही नहीं दिया—उसके मन में बस फ्लोराबेल और अपने अकेलेपन के डर ही भरा हुआ था। फिर, अनजाने ही लूसी उस कार्यक्रम में पूरी तरह खो गई। अब क्या होने वाला है? वह आदमी कब पाई फेंकेगा, और किसके चेहरे पर लगेगी?

और इससे पहले कि लूसी कुछ समझ पाती, वह हँस रही थी!

लूसी हैरान थी कि एक शो उसे पूरी तरह अपने दुख से बाहर निकाल सकता है, वह भी तब, जब वह इतनी उदास थी। मंच पर जोकर की पोशाक पहने एक आदमी उसकी आँखों के आँसुओं को हँसी में बदल सकता था। उसे यह किसी चमत्कार जैसा लगा।

अब पहले से भी अधिक, लूसी भी दूसरों के लिए ऐसा ही चमत्कार करना चाहती थी। वह फ़िल्मी पत्रिकाएँ पढ़ती, और बड़े-बड़े सपने देखती थी।

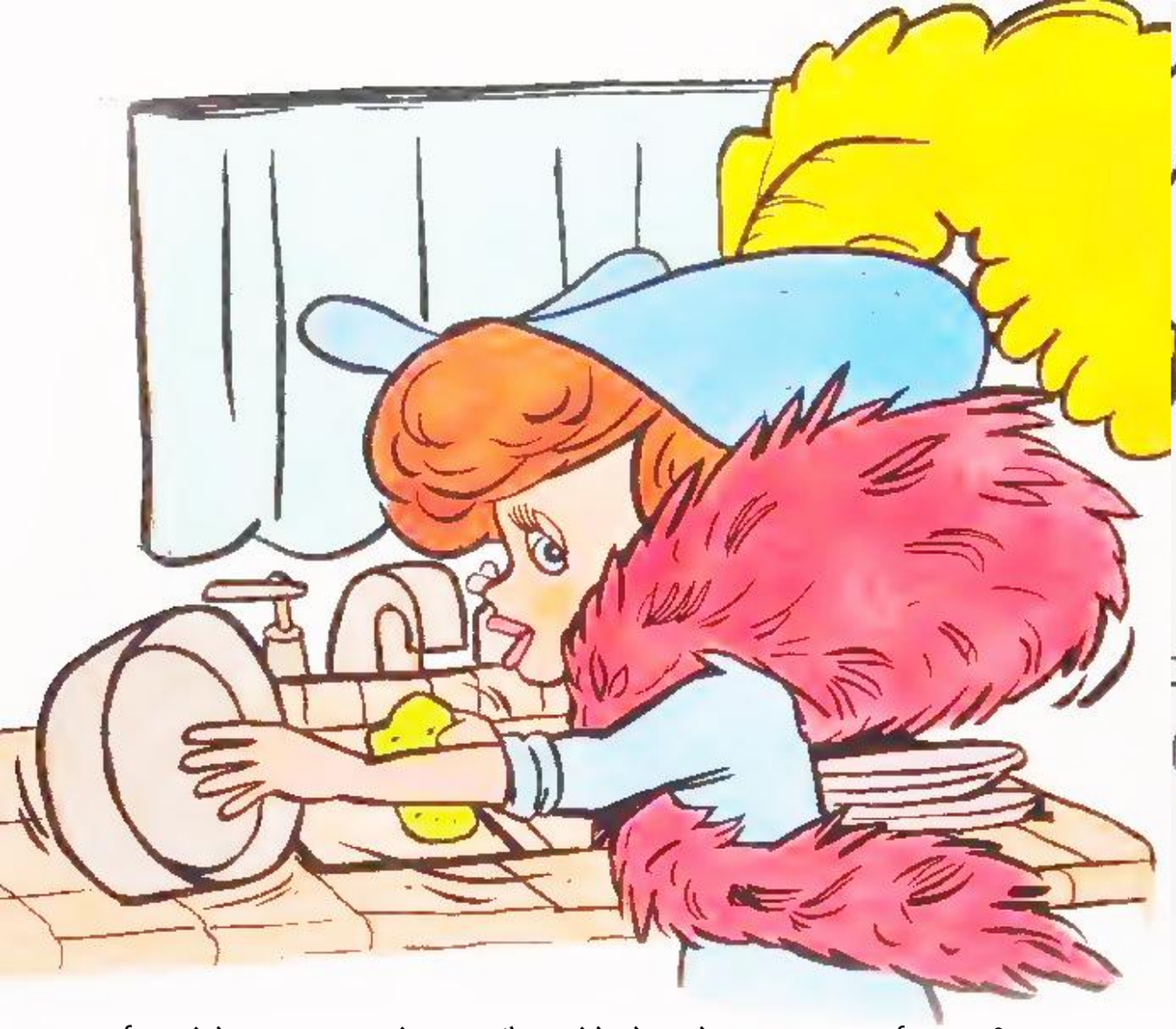

“बर्तन धोने का समय हो गया है!” छोटे फ़्रेड ने आवाज़ लगाई, अपनी बहन के स्टार बनने के सपनों को तोड़ते हुए। “यिप्पी!” लूसी ने कहा और उछलकर खड़ी हो गई।

“बर्तनों के लिए यिप्पी?” फ़्रेड ने आश्चर्य किया।

कुछ ही मिनटों में, लूसी शानदार पंखों वाली टोपी पहनकर सीढ़ियाँ उतर आई। नाक ऊँची, उँगलियाँ नाज़ुक ढंग से मुड़ी हुई — लूसी किसी रानी की तरह शान से सिंक के पास पहुँची और बेहद शिष्ट अंदाज़ में बर्तन धोने लगी, मानो चाय परोस रही हो।

घर में मौजूद सभी लोग ज़ोर-ज़ोर से हँस पड़े।

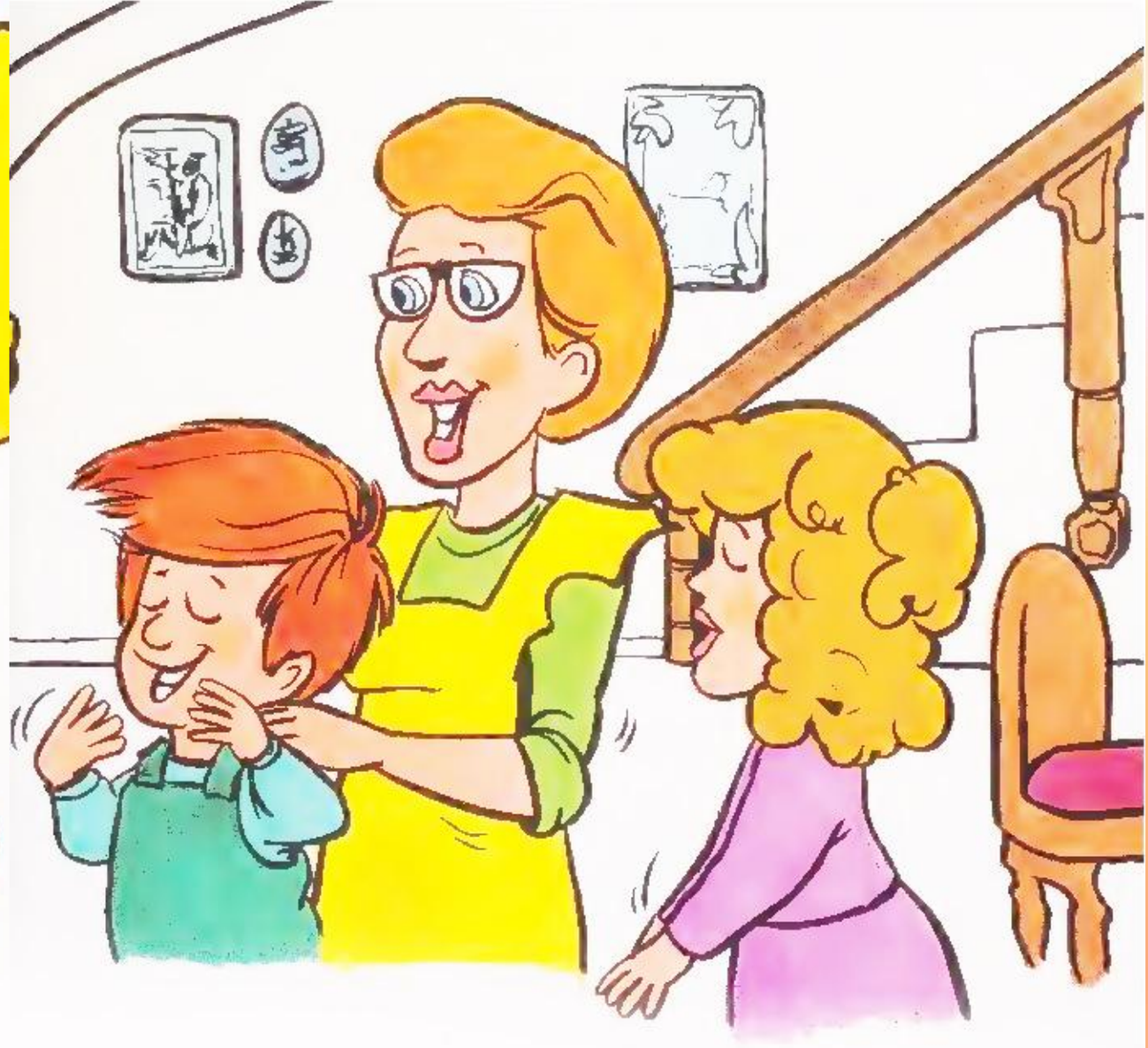

लूसी को ऐसे मज़ाक करना बहुत पसंद था। समय, मेहनत या खर्च—कुछ भी लूसी और एक हँसी के बीच नहीं आ सकता था। लेकिन सिर्फ़ परिवार का मनोरंजन करना उसके लिए काफ़ी नहीं था। जब उसने ब्रॉडवे के एक शो के लिए कोरस गर्ल्स का विज्ञापन देखा, तो बारह साल की लूसी ने बस से न्यूयॉर्क सिटी जाकर ऑडिशन देने की अनुमति ले ली। और उसे वह भूमिका मिल भी गई!

लेकिन लूसी को शो से निकाल दिया गया, शायद इसलिए कि शो के निर्देशक को उसकी असली उम्र पता चल गई— या फिर इसलिए कि वह नृत्य के समय कदमों के साथ ताल नहीं मिला पा रही थी। वह निराश तो हुई, लेकिन एक पल के लिए भी उसने हार नहीं मानी। “अगर मैं अभी ब्रॉडवे स्टार नहीं बन सकती,” उसने सोचा, “तो मैं यहीं जेम्सटाउन में तो स्टार ज़रूर बन सकती हूँ।”

इसलिए लूसी ने जेम्सटाउन हाई स्कूल में एक बैंड बनाया। संगीत की व्यवस्था और संचालन उसने खुद किया। उसने हाई स्कूल में एक नाटक क्लब भी शुरू किया। चौदह साल की उम्र में, लूसी मानो ऊर्जा का अंतहीन स्रोत थी— वह प्रोग्राम छापने से लेकर सेट पेंट करने तक सब कुछ करती, और, निश्चित रूप से, शो का निर्देशन करती, और उनमें मुख्य भूमिका निभाती थी।

पंद्रह साल की उम्र में, लूसी को एहसास हुआ कि एक महान अभिनेत्री बनने के लिए उसे अभिनय की कक्षाओं के लिए पैसे की ज़रूरत होगी। इसलिए वह एक सोडा फाउंटेन पर काम करने लगी, जहाँ वह सोडा परोसती और आइसक्रीम संडे बनाती थी। साथ ही वह एक कपड़ों की दुकान में क्लर्क के रूप में भी काम करती थी। सप्ताहांत पर, वह सेलोरन पार्क में पॉपकॉर्न विक्रेता बनकर काम करती, और लोगों को आवाज़ लगाते हुए चिल्लाती रहती — "ताज़ा पॉपकॉर्न ले लीजिए!" — जब तक कि उसका गला नहीं बैठ जाता।

लूसी ने ये सभी काम उत्साह के साथ किए—कौशल से कहीं ज़्यादा उत्साह के साथ। एक बार जब वह केले वाली आइसक्रीम में केला ही डालना भूल गई तो उसे सोडा फाउंटेन की नौकरी से निकाल दिया गया। लूसी की माँ ने कहा, "कोई बात नहीं, बेटा। तुम वैसे भी अभिनय स्कूल में ही ज़्यादा ठीक रहोगी।"

डीडी की मदद से, लूसी ने न्यूयॉर्क सिटी के जॉन मरे एंडरसन / रॉबर्ट मिल्टन स्कूल ऑफ़ थिएटर एंड डांस में दाखिला ले लिया।

लूसी ने जल्दी ही समझ लिया कि हाई स्कूल और घर के लिविंग रूम में स्टार बन जाने का यह मतलब नहीं था कि वह न्यूयॉर्क की अभिनय कक्षाओं के लिए भी तैयार थी। वह दूसरे छात्रों से डर गई थी, खासकर सबसे होनहार छात्रा — बेट डेविस — से।

अध्यापक लूसी की चंचल ऊर्जा और उसके सपाट चेहरे वाले भावों के साथ क्या करें, यह समझ ही नहीं पाते थे। उन्होंने लूसी के उच्चारण, और कक्षा के सामने अभिनय करने के उसके प्रयासों का मज़ाक उड़ाया। इससे लूसी और ज़्यादा घबरा गई। केवल छह हफ्तों के बाद, अध्यापक ने लूसी को घर वापस भेज दिया।

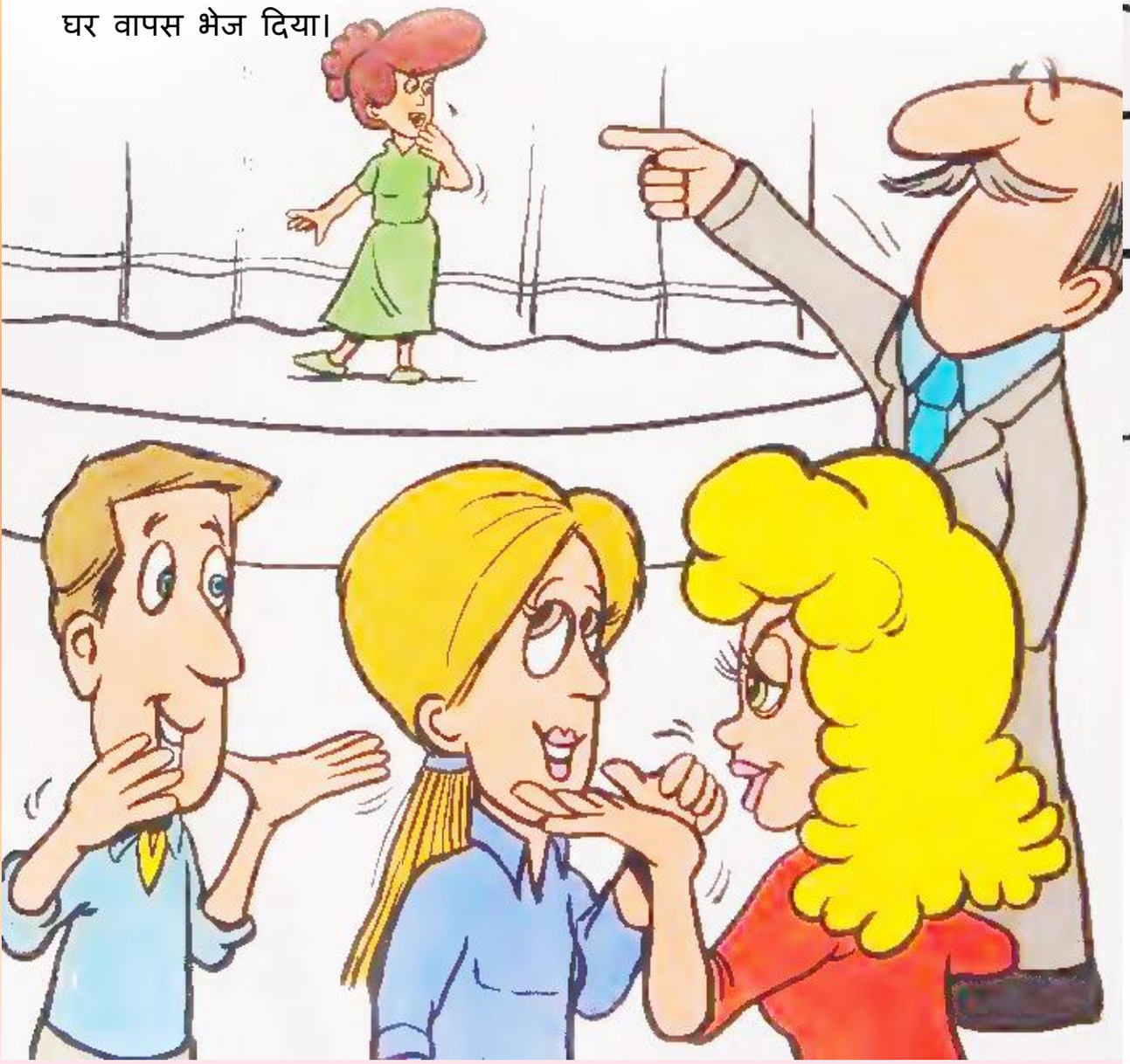

पर वह ज़्यादा समय तक घर पर नहीं रुकी। अब लंबी, पतली और सुंदर युवती बन चुकी लूसी न्यूयॉर्क वापस लौटी—इस बार मॉडलिंग की कोशिश करने।

वह कलाकारों और विज्ञापन एजेंसियों के लिए पोज़ देती, और अंततः उसे हैटी कार्नेगी ने काम पर रख लिया, जो उस समय न्यूयॉर्क की प्रमुख परिधान डिज़ाइनरों में से एक थीं।

हैटी कार्नेगी के सुरुचिपूर्ण सैलून में, लूसी ने बेहतरीन शरीर-भंगिमा (posture) बनाना सीखा। वह अक्सर फैशनेबल महिलाओं और कभी-कभी ब्रॉडवे सितारों के साथ पोशाकों की मॉडलिंग किया करती थी।

एक दिन, लूसी रन-वे पर चल रही थी कि अचानक उसके पैरों में भयानक दर्द उठा और वह वहीं गिर पड़ी। डॉक्टर ने लूसी को बताया कि वह गठिया के शुरुआती लक्षणों से पीड़ित है—सिर्फ सत्रह वर्ष की उम्र में किसी के लिए यह बीमारी बहुत ही चौंकाने वाली थी। फिर से अपने पैरों पर खड़े होने की बेताबी में, लूसी ने एक प्रयोगात्मक दवाई आज़माने के लिए सहमति दे दी और अगले दो वर्ष उसने घर पर, कभी बिस्तर में तो कभी व्हीलचेयर पर बैठकर बिताए। उसके टेढ़े हो चुके पैरों को सीधा करने के लिए उसे हर पैर में दस-दस किलो के वज़न पहनने पड़ते थे। इस पूरे कष्टदायक दौर का सबसे बुरा पहलू यह था कि उसे पता ही नहीं था कि वह कभी फिर से प्रदर्शन कर पाएगी या नहीं।

अपने परिवार की मदद और अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के सहारे, लूसी धीरे-धीरे ठीक होने लगी। एक दिन जब उसकी एक मॉडल मित्र ने उसे बताया कि गोल्डविन फ़िल्म स्टूडियो के सैमुअल गोल्डविन के लिए मॉडल और शो गर्ल्स के ऑडिशन हो रहे हैं, तो लूसी तुरंत हॉलीवुड के लिए चल दी। उसकी पहली फ़िल्मी भूमिका रोमन स्कैंडल्स में एक दासी (Slave girl) की थी, जिसका निर्देशन हॉलीवुड संगीतात्मक फ़िल्मों के बादशाह बस्बी बर्कले ने किया था।

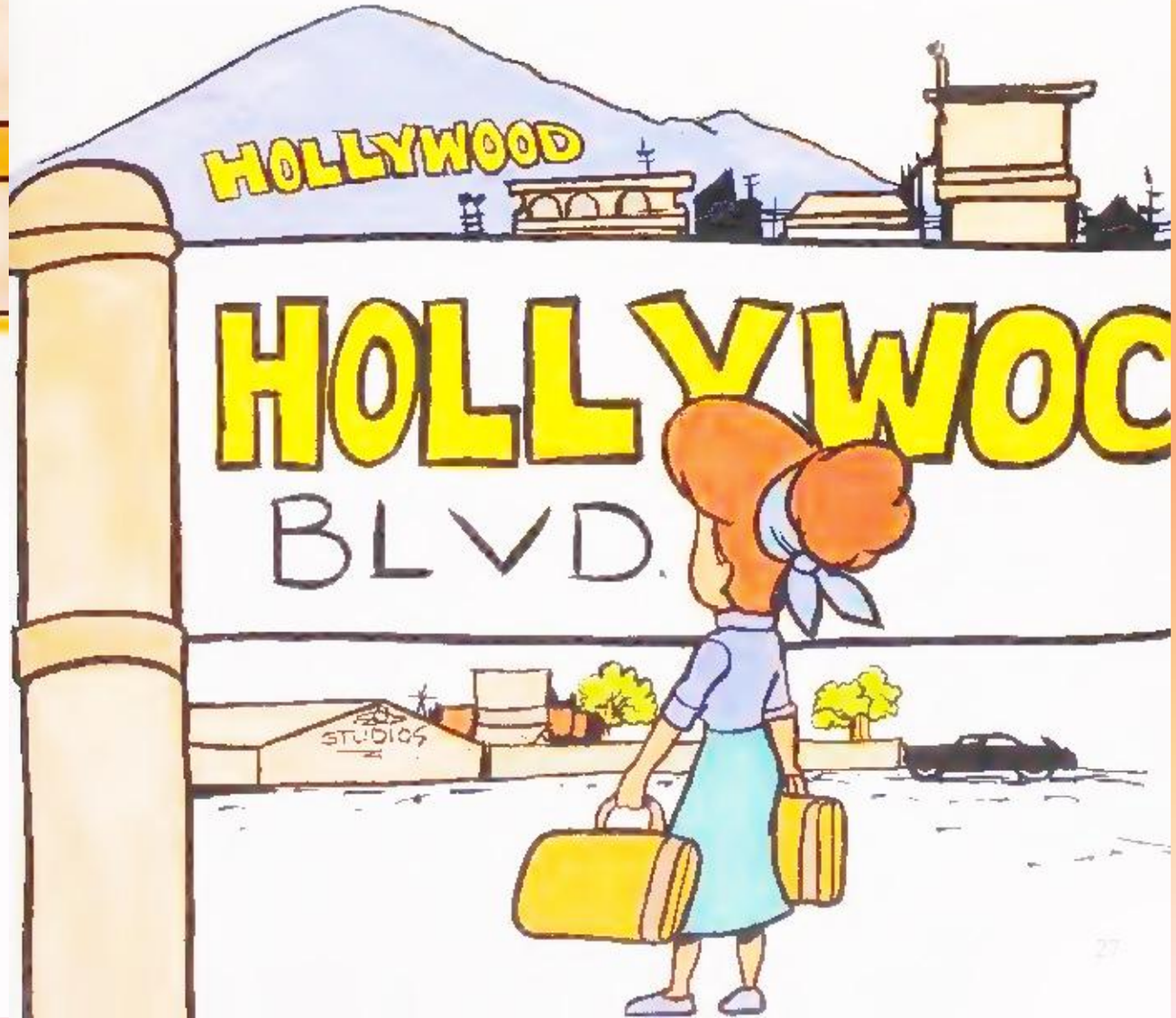

लूसी ने जल्द ही समझ लिया कि फ़िल्में बनाना सिर्फ़ मेकअप और मैगज़ीन इंटरव्यू तक सीमित नहीं है। असुविधाजनक पोशाकों में लंबी-लंबी घंटों की शूटिंग, तेज़ गरम रोशनियाँ, ईर्ष्यालु सहकर्मी, और घिसी-पिटी पटकथाएं —इन सबको सहन कर पाना आसान नहीं था। अन्य महत्वाकांक्षी युवा अभिनेत्रियों से मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा ने लूसी को और मेहनत करने पर मजबूर किया। भीड़ में मौजूद ग्लैमरस सुनहरे बालों वाली और आकर्षक काले बालों वाली अभिनेत्रियों से अलग दिखने के लिए, लूसी ने अपने भूरे बालों को चमकीले लाल रंग में रंग लिया।

लेकिन वह जितनी भी मेहनत करती, लूसी अभी भी एक स्टार नहीं बन पाई थी। उसकी हताशा एक दिन चरम पर पहुँच गई, जब वह धूप से झुलसाती सैन फ़र्नांडो वैली में लोकेशन पर शूटिंग कर रही थी। अपनी छोटी-सी भूमिका के लिए लूसी को घंटों तक अठारह पैटिकोट्स, और उसके ऊपर मखमली टोपी और भारी गाउन पहनकर तपते सूरज में खड़ा रहना पड़ा।

"मैं यह गर्मी बर्दाश्त नहीं कर सकती!" वह चिल्लाई। "मुझे एक वैगन दो या डॉग कार्ट, कुछ भी! मैं वापस स्टूडियो जा रही हूँ।"

लूसी गुस्से से भरकर कास्टिंग डायरेक्टर के दफ़्तर में घुसी, यह कसम खाते हुए कि वह अब कभी भी सैन फ़र्नांडो वैली की चिलचिलाती धूप में काम नहीं करेगी। कास्टिंग डायरेक्टर हँस पड़ा और उसे याद दिलाया कि स्टूडियो के साथ उसका सात साल का अनुबंध है। छोटी-सी लेकिन नियमित तनख़्वाह के बदले लूसी ने यह वादा किया था कि स्टूडियो उसे जो भी रोल देगा, वह करेगी। फिर कास्टिंग डायरेक्टर ने तुरंत लूसी को वापस वैली भेज दिया। इस बार उसने फर की टोपी और कोट पहना था, और वह एक खुली कार में बैठी थी जो मानो चलती-फिरती भट्टी जैसी थी, जबकि एक विशाल ग्रेट डेन कुत्ता उसकी गोद में लार टपका रहा था। लूसी मचल रही थी और तड़प रही थी, बिल्कुल उस बच्चे की तरह जिसे किसी ऊँची कुर्सी में बंध कर बैठना पड़ रहा हो।

उसके सभी सहकर्मी ज़ोर-ज़ोर से हँस पड़े। लूसी का चेहरा गुस्से से मरोड़ खा रहा था। हँसी और बढ़ गई। लूसी ने एक और अजीब-सा चेहरा बनाया, और हँसी चलती रही। अचानक उसे वह हंसी की आवाज़ ठंडी बारिश जैसी सुखद लगने लगी।

लूसी कई सालों तक छोटी-छोटी भूमिकाएँ करती रही। इन भूमिकाओं में काम करते-करते उसकी मज़ेदार अदाएँ और भी निखरती गईं, और धीरे-धीरे लोगों का ध्यान उसकी ओर आकृष्ट होने लगा। धीरे-धीरे लूसी को बड़ी भूमिकाएँ मिलने लगीं, हालांकि जिन फ़िल्मों में वह काम करती थी, वे ज़्यादातर खास नहीं होती थीं। फिर एक दिन उसे एक नए चलचित्र में काम करने का मौका मिला।

लूसी बहुत उत्साहित नहीं थी। उसे लगा कि यह भी बस एक और फिल्म होगी — भले ही इसमें देज़ी अर्नाज़ नाम के एक जवान संगीतकार हीरो हों, जो ब्रॉडवे पर बहुत मशहूर हो चुके थे। लेकिन जब लूसी ने स्टूडियो के कैफ़ेटेरिया में देज़ी को पहली बार देखा, तो उसका दिल धक से रह गया। देज़ी सांवले थे, खूब ऊर्जा से भरे हुए, और बहुत स्मार्ट दिखते थे। देज़ी पूरी तरह मजबूत और जोशीले थे। वे लूसी की पसंद मात्र नहीं थे — बल्कि बिल्कुल वैसे थे जैसे वह अपने सपनों में देखा करती थी!

“क्यों न तुम मुझे ल्यूसील बुलाओ और मैं तुम्हें डिज़ी?” लूसी ने हिम्मत करके अपना परिचय देते हुए कहा। देज़ी ने हँसकर समझाया कि उनका नाम डिज़ी नहीं है, तो लूसी ने मज़ाक में कहा, “तो फिर डेज़ी कैसा रहेगा?” आख़िरकार जब लूसी को उसका सही नाम समझ आया, तब देज़ी ने मुस्कुराकर पूछा, “क्या तुम रुम्बा नृत्य करना जानती हो?” लूसी ने सिर हिलाकर कहा कि वह नहीं जानती।

“तो मैं तुम्हें सिखा दूँगा,” देज़ी ने कहा... और फिर वे दोनों रातभर नाचते रहे, जब तक सूरज उग नहीं आया। देज़ी से मिलकर लूसी की ज़िंदगी में चमक आ गई। फ़िल्म Too Many Girls में दोनों की जोड़ी मंच पर बिजली की तरह दमक रही थी। लेकिन फ़िल्म ख़त्म होने के बाद लूसी हॉलीवुड में रह गई, जहाँ उसे एक और साधारण सी फ़िल्म में काम करना था। उधर देसी और उसका बैंड सफर पर निकल गए—शिकागो, न्यूयॉर्क और कई अन्य शहरों में शो करते हुए।

लूसी और देज़ी एक-दूसरे से बहुत प्यार करते थे। एक-दूसरे से दूर रहना उनके लिए बहुत मुश्किल था।

जब लूसी देज़ी से मिलने न्यूयॉर्क पहुँची, तो एक रिपोर्टर ने पूछा, “क्या आप दोनों की शादी की कोई योजना है?”

लूसी ने मुस्कुराकर न में सिर हिलाया। “यह सवाल ही नहीं उठता,” उसने कहा। “हमारे करियर हमें बहुत दूर कर देते हैं।”

लेकिन जैसे ही रिपोर्टर वहाँ से गया, देज़ी ने उत्साह से कहा, “मैं तुमसे कल सुबह ही शादी करने वाला हूँ!”

लूसी इतनी हैरान और खुश हुई कि उसके मुँह से बस एक शब्द निकला—“कहाँ?”

देज़ी ने कनेक्टिकट में एक ऐसी जगह चुनी जहाँ वह एक जज को जानता था। वह जज शादी के लिए ज़रूरी पाँच दिन की प्रतीक्षा अवधि माफ़ कर सकता था। योजना यह थी कि वे दोनों कार से सीमा पार करें, शादी करें, और फिर न्यूयॉर्क लौट आएँ— ताकि देज़ी समय पर रॉक्सी थिएटर में अपना शो कर सके।

30 नवंबर, 1940 को, 29-साल की लूसिल बॉल और 23-साल के देज़ी अर्नाज़ की शादी हुई। उन्होंने वूलवर्थ स्टोर से जल्दी-जल्दी एक सस्ता सा शादी का छल्ला खरीदा— जिस पर बाद में प्लैटिनम का मुलम्मा चढ़ा दिया गया ।

लेकिन भारी ट्रैफिक और सुस्त चलती ट्रेनों ने उनकी सारी योजना बिगाड़ दी। देज़ी समझ गया कि वह मैटिनी शो के लिए समय पर वापस नहीं पहुँच पाएगा। उसने घबराकर थिएटर में फोन किया।

"यहाँ तो चारों ओर दर्शकों को भीड़ जमा है ! मैं उनसे क्या कहूँ?" घबराए हुए थिएटर मैनेजर ने पूछा।

देज़ी ने सलाह दी, "घोषणा कर दो कि हमारी शादी हो गई है, और सभी से कहो कि वे शाम वाले शो के लिए वापस आएँ।"

फिर उसने उस शाम थिएटर पहुँचने के लिए एक किराये की मोटरसाइकिल और चालक का इंतज़ाम किया। जब लूसी और देज़ी वहाँ पहुँचे, तो रॉक्सी थिएटर का पूरा दर्शक-समूह खुशी से झूम उठा। सब ज़ोर-ज़ोर से खुशियाँ मना रहे थे।

शो पूरा होने के बाद देज़ी लूसी को लेकर स्टेज पर आये। ऑर्केस्ट्रा से लेकर सबसे ऊपर की बालकनी तक— हर जगह बैठे लोग थिएटर प्रबंधन द्वारा दी गई चावल की मुट्ठियाँ नवविवाहित जोड़े पर बरसा रहे थे। पूरा हॉल उत्सव से भर गया।

जश्न यहीं नहीं रुका। एक प्रसिद्ध क्लब में देज़ी ने शादी की पार्टी का इंतज़ाम किया था। जगह मशहूर लोगों से भरी हुई थी, और एक बैंड "हीयर कम्स द ब्राइड" गाने की धुन बजा रहा था— जब लूसी दरवाज़े से अंदर आई।

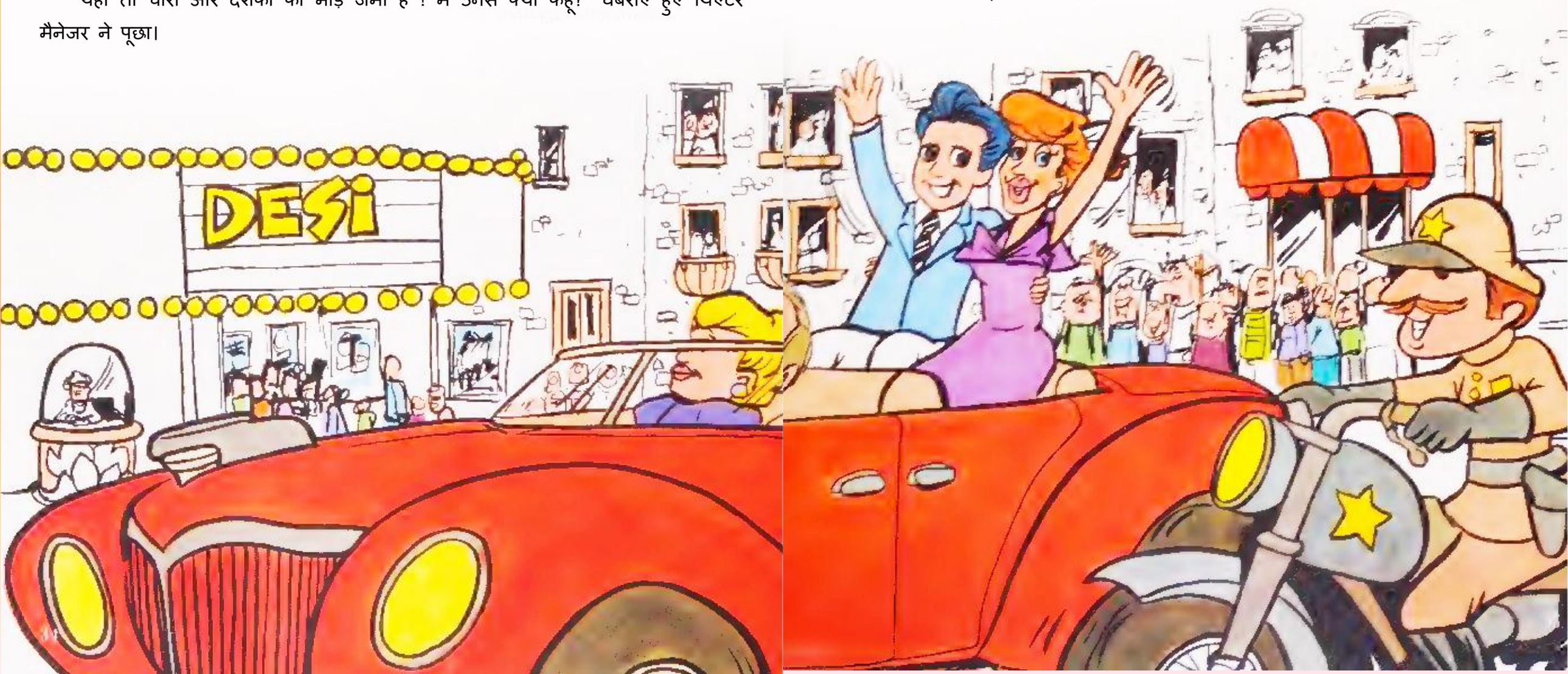

लेकिन शादी के बाद भी, लूसी और देज़ी के अलग-अलग करियर उन्हें दूर ले जाते रहे। देज़ी अपने बैंड के साथ अक्सर शहर-शहर घूमकर शो करता था, जबकि लूसी हॉलीवुड में मेहनत करती रही— पर उसका फ़िल्मी करियर वहीं का वहीं अटका हुआ था। बेहतर काम न मिलने की वजह से, लूसी ने एक रेडियो शो में काम करना स्वीकार कर लिया। इस शो का नाम था "माय फ़ेवरेट हज़बैंड", यानि मेरा प्यारा पति। इसमें लूसी एक प्यारी लेकिन गड़बड़ियाँ करने वाली पत्नी का रोल निभाती थी, जिसका पति बस एक आम, सामान्य आदमी था।

शुरू-शुरू में लूसी अच्छा काम नहीं कर पा रही थी। लेकिन फिर प्रोड्यूसर ने एक नया विचार निकाला— उसने शो में लाइव दर्शक बुलाए। दर्शकों की हँसी सुनकर लूसी जैसे खिल उठी। उसकी प्रतिभा अचानक से निखार उठी, और उसने बहुत शानदार प्रदर्शन किया।

"माय फ़ेवरेट हज़बैंड" में लूसी की बस एक ही परेशानी थी— उसमें देज़ी उसके पति का किरदार नहीं निभा रहा था। लूसी उसे बहुत याद करती थी और उनके अलग रहने के दिन उसे बिल्कुल अच्छे नहीं लगते थे।

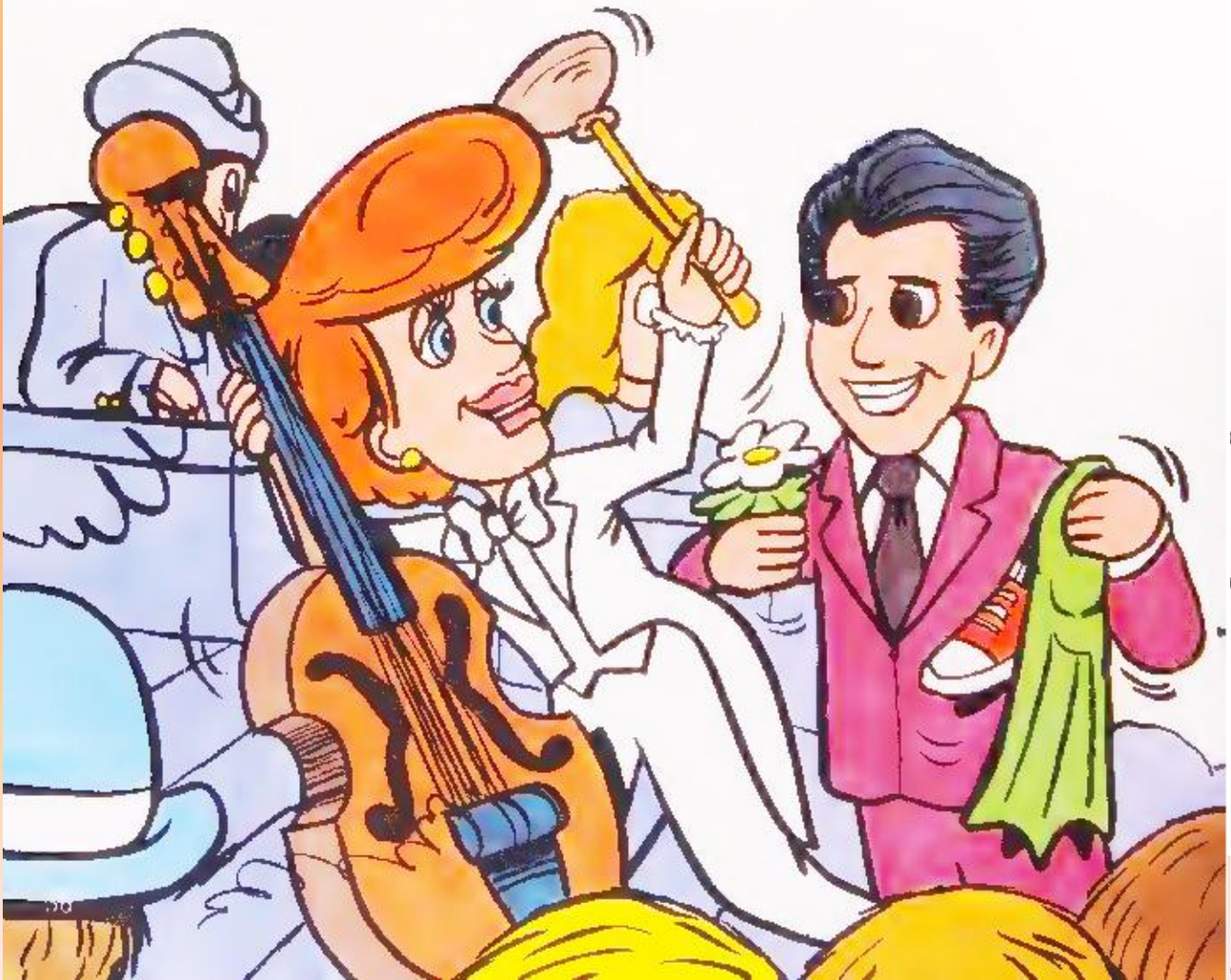

आख़िरकार, लूसी और देज़ी ने तय किया कि वे एक थिएटर ऐक्ट साथ मिलकर बनाएँगे। उनकी मदद की देज़ी के दोस्त पेपिटो ने — जिन्हें लोग "स्पैनिश क्लाउन" कहते थे — और "माय फ़ेवरेट हज़बैंड" के दो लेखकों ने।

उनका यह ऐक्ट बिल्कुल धमाकेदार था! लूसी सफ़ेद टक्सीडो और लम्बी कोट पहनकर, एक नकली सेलो (एक प्रकार का वाद्य यंत्र) उठाए दर्शकों के बीच से गुजरती हुई मंच पर पहुँचती थी, और ज़ोर देकर कहती थी कि वह देज़ी के बैंड में शामिल होना चाहती है।

फिर जो हंगामा होता था, वह और भी मज़ेदार था। लूसी अपने चालाकी से बने नकली "सेलो" से कभी फूल, कभी झाड़न, और यहाँ तक कि एक टॉयलेट प्लंजर भी निकाल लेती थी! दर्शक ज़ोर-ज़ोर से हँसते-हँसते लोटपोट हो जाते थे।

देशभर में लोग उनके शो देखकर खुश होते रहे। लेकिन जैसे ही दौरा ख़त्म हुआ, लूसी वापस हॉलीवुड लौट गई— और देज़ी फिर अपने बैंड के साथ सफ़र पर निकल गया।

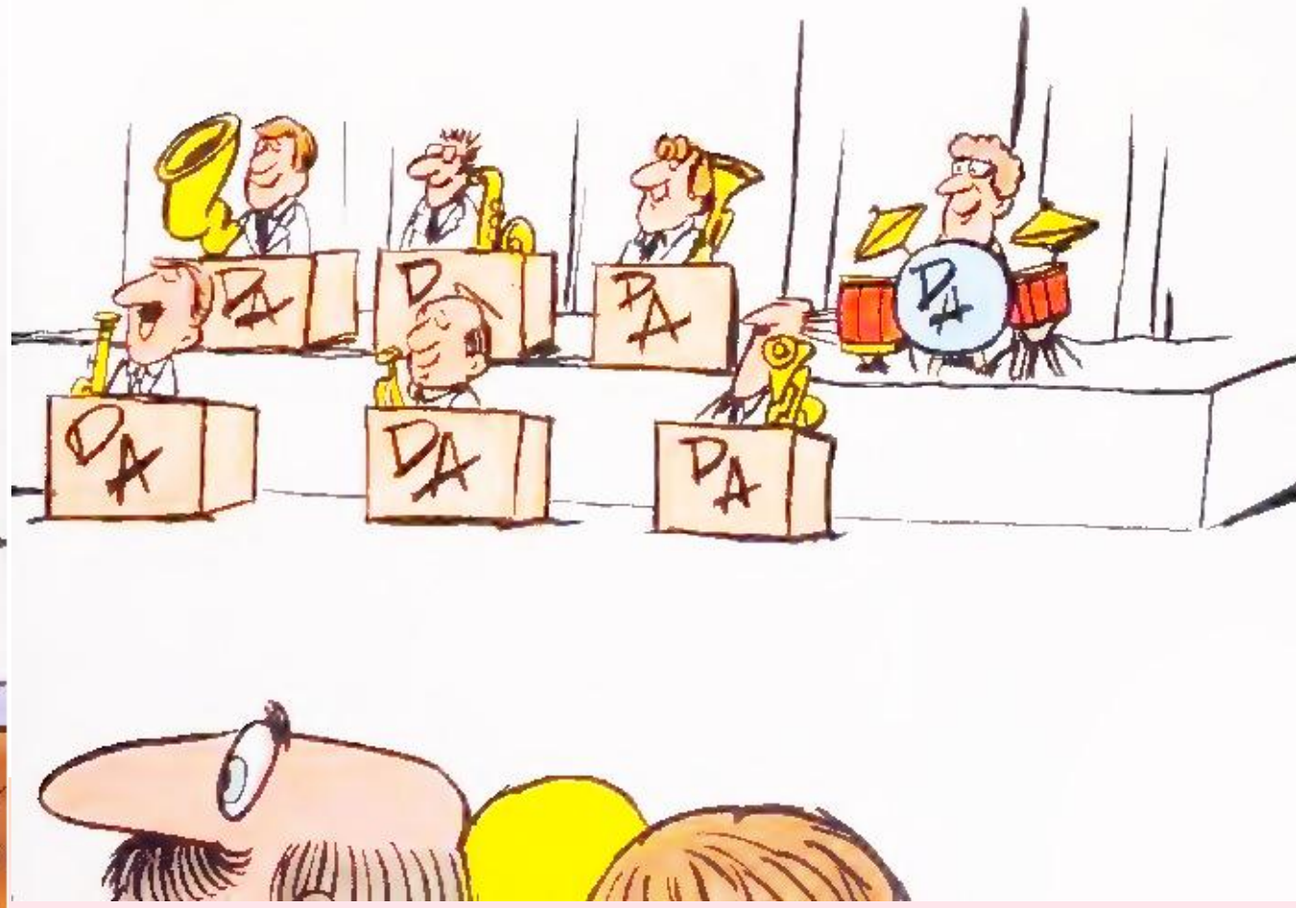

जब लूसी गर्भवती हुई, तो वह पहले से भी ज़्यादा चाहती थी कि देज़ी उसके पास ही रहे। उसने सोचा कि शायद इसका हल एक नए तरह का मनोरंजन—टेलीविज़न—हो सकता है। टीवी के लिए शूटिंग का समय फ़िल्मों की तुलना में कम होता था, इसलिए उसे अपने बच्चे के साथ ज़्यादा समय मिल सकता था।

लूसी और देज़ी, दोनों को "माय फ़ेवरेट हज़बैंड" का विचार बहुत पसंद था। उन्होंने सोचा कि इसे एक अच्छा टीवी शो बनाया जा सकता है— बस इसमें पति की भूमिका देज़ी निभाएँ।

उन्होंने "माय फ़ेवरेट हज़बैंड" के लेखक— जेफ ओपेनहाइमर, बॉब कैरोल जूनियर, और मेडेलिन प्यू—को बुलाया ताकि नए किरदारों को लूसी और देज़ी की असली ज़िंदगी के रंगों से सजाया जा सके।

अब पति का किरदार रिक्की रिकाडो था— एक तेज़-तर्रार, जोशीला क्यूबाई बैंडलीडर, और पत्नी लूसी रिकाडो थी— एक उलझनभरी, मज़ेदार और शो-बिज़नेस में बड़ा बनने का सपना देखने वाली महिला।

कहानी में एक बुज़ुर्ग दंपति को भी जोड़ा गया, ताकि कभी पत्नियाँ पति के खिलाफ़ मिल जाएँ, तो कभी पति पत्नियों के खिलाफ़!

लूसी और देज़ी उस समय के साधारण और कच्चे टीवी शो देखते, और फिर सोचते कि वे इसे कैसे बेहतर बना सकते हैं।

लूसी और देज़ी —दोनों को उस समय के टीवी शो का "काइनीस्कोप" वाला रूप बिल्कुल पसंद नहीं था। काइनीस्कोप एक तरह की खराब-गुणवत्ता वाली रिकॉर्डिंग प्रणाली थी, जो हर टीवी शो को फिल्माने में इस्तेमाल होती थी।

लूसी को यह इसलिए भी नापसंद था क्योंकि काइनीस्कोप वाली रिकॉर्डिंग प्रसारित होने के बाद अक्सर फेंक दी जाती थी। लूसी ने कहा, "मैं चाहती हूँ कि मेरा बच्चा ये शो देख सके। ये तो घर की फिल्मों जैसे होंगे!"

देज़ी को एक और बात सूझी— अगर वे बेहतर गुणवत्ता वाली फिल्मिंग प्रक्रिया अपनाएँ, तो उनके शो एक से ज़्यादा बार दिखाए जा सकते हैं। उस समय तक किसी ने "री-रन" यानी पुराने एपिसोड दोबारा दिखाने का विचार ही नहीं किया था!

आर्नाज़ दंपति को टीवी कॉमेडी में इस्तेमाल होने वाले बनावटी "लाफ ट्रैक" भी पसंद नहीं थे। देसी ने कहा, "हम तो लाइव दर्शकों के सामने प्रदर्शन करेंगे!" लूसी को यह विचार बहुत अच्छा लगा— वह हमेशा दर्शकों की असली हँसी सुनकर ही अपना सबसे अच्छा अभिनय करती थी।

"और हम शूटिंग यहीं कैलिफ़ोर्निया में करेंगे," लूसी ने ठान लिया। "मैं अपना बच्चा न्यूयॉर्क में नहीं पालना चाहती।"

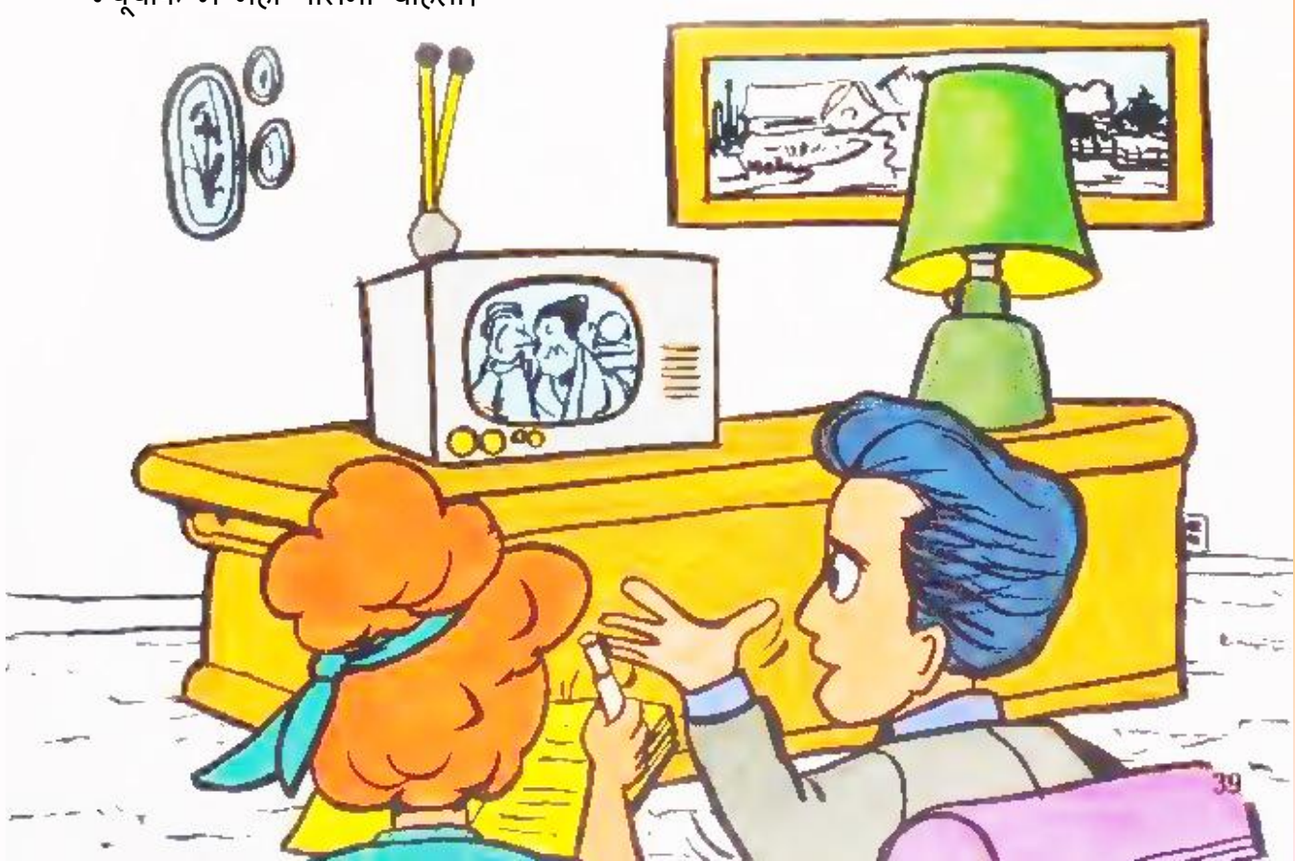

जब लूसी और देज़ी ने अपने सारे नए विचार एक टीवी निर्माता के सामने रखे, तो उसने तुरंत कहा कि यह सब असंभव है।

"टीवी शो के लिए फिल्म का इस्तेमाल कोई नहीं करता," वह बोला। "और अगर आपके लाइव दर्शक हँसे ही नहीं तो?"

देज़ी मुस्कुराया और बोला, "लूसी के रहते ऐसा कैसे हो सकता है?"

निर्माता को यह भी चिंता थी कि क्या अमेरिकी दर्शक एक क्यूबाई पुरुष और एक अमेरिकी महिला की शादी को स्वीकार करेंगे। लेकिन लूसी को अपने दर्शकों पर पूरा भरोसा था— उसे थिएटर ऐक्ट में मिली शानदार प्रतिक्रिया याद थी। वह जानती थी कि अगर वे टीवी पर आ जाएँ, तो हँसी किसी भी पूर्वाग्रह से ज्यादा ताकतवर साबित होगी।

निर्माता ने फिर कहा, "कोई भी टीवी शो कैलिफ़ोर्निया में शूट नहीं करता।" देज़ी ने दृढ़ आवाज़ में जवाब दिया, "हम करते हैं।" और वह ऑफिस से बाहर निकल गया।

देज़ी को पता था कि टीवी अधिकारियों को मनाने का एक ही तरीका है— उन्हें दिखाया जाए कि टीवी कितना बेहतर हो सकता है।

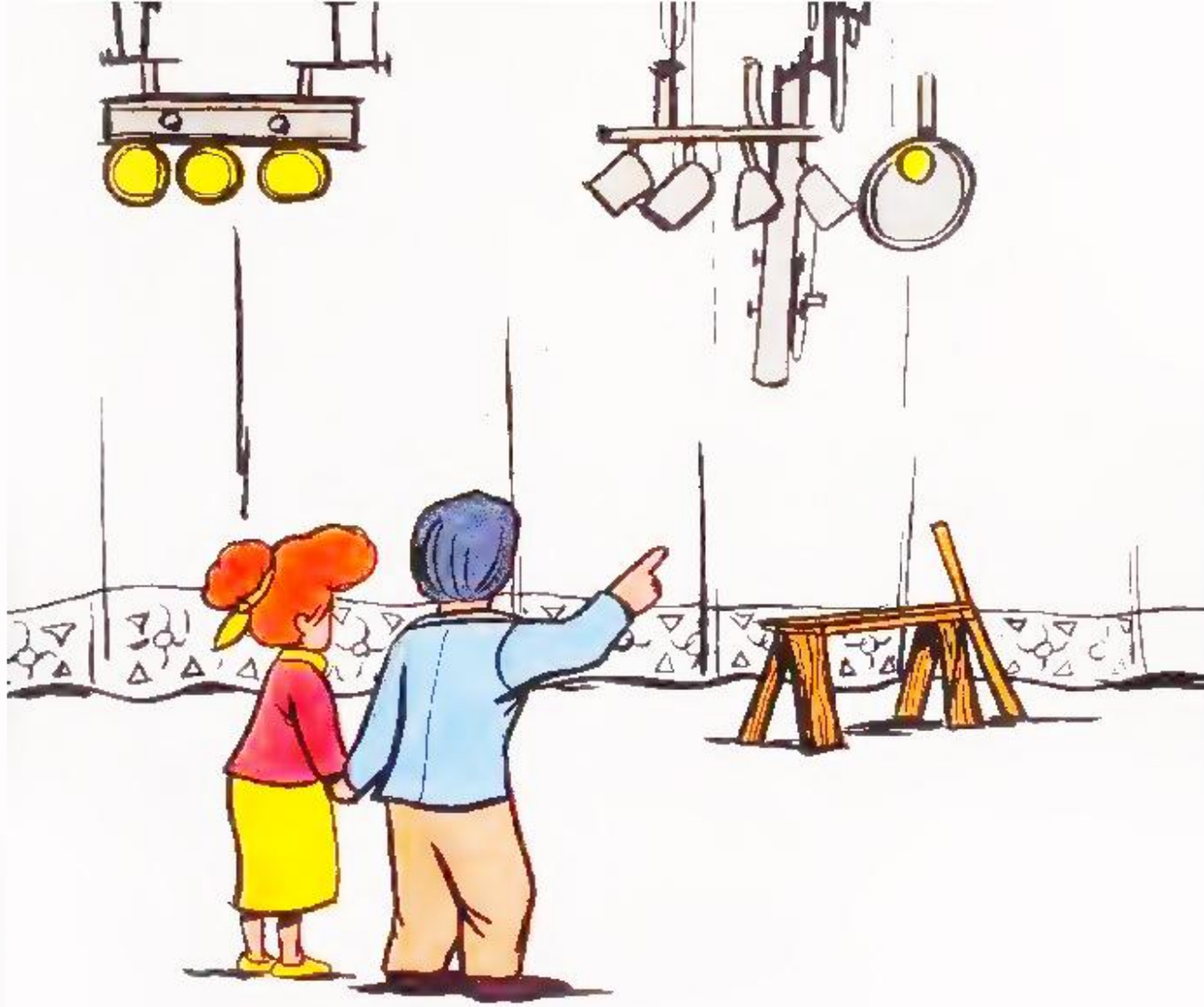

लूसी और देज़ी ने फैसला किया कि वे अपने टीवी शो का पहला एपिसोड— जिसे पायलट कहा जाता है—खुद ही बनाएँगे।

दोस्तों और रिश्तेदारों को यह काफी खतरनाक लगा। उन्होंने चिंता से पूछा, "तुम्हारे फ़िल्म करियर का क्या होगा? तुम्हारी तनख़्वाहें? और बच्चा?"

यह सचमुच बहुत बड़ा जोखिम था। लेकिन लूसी और देज़ी को यकीन था कि यह शो इसके लायक होगा— और वे जानते थे कि उन्हें कोशिश तो करनी ही होगी।

आर्नाज़ दंपति ने अपनी सारी बचत—जो बहुत ज़्यादा नहीं थी—इकट्ठी की, एक पुराना रंगमंच किराए पर लिया, और अपने सपने पर काम शुरू कर दिया।

लूसी, देज़ी और उनके तीनों लेखक घंटों तक बैठकर अपने किरदारों के लिए मज़ेदार स्थितियाँ सोचते रहते थे। इनमें से बहुत-सी बातें लूसी की असली ज़िंदगी से ली गई थीं— देज़ी के साथ उसकी नोंक-झोंक, उसकी अजीब नौकरियाँ जिनमें हमेशा कुछ न कुछ गड़बड़ हो जाती थी, और उसकी हर काम में आगे निकलने वाली चाह, जो दर्शकों को बहुत हंसाती थी।

लेखक इस बात से भी प्रेरित थे कि लूसी में बच्चों जैसी आदतें थीं— वह बिना सोचे-समझे किसी भी काम में कूद पड़ती, और फिर एक बड़ी, लेकिन मज़ेदार, गड़बड़ी खड़ी कर देती!

लूसी ने उन्हें बताया कि कैसे उसे एक डांस लाइन से निकाल दिया गया था, कैसे उसे सोडा-फाउंटेन वाली नौकरी से निकाल दिया गया, और कैसे उसकी ज़िंदगी छोटी-बड़ी ग़लतियों से भरी रही। उसके हर उतावले सपने और उसके बाद हुई हर मज़ेदार गिरावट कहानी के स्क्रिप्ट में जगह बनाने लगी। लूसी जानती थी कि ये सब बहुत मज़ेदार है— आख़िर लोग तो उसकी हरकतों पर उसके बचपन से ही हँसते आए थे!

अरनाज़ दम्पति ने पायलट एपिसोड बनाने के लिए दिन-रात मेहनत की। और वह इतना मज़ेदार साबित हुआ कि उसे नेटवर्क का समर्थन और एक व्यावसायिक प्रायोजक भी मिल गया! अब शो को केवल एक शीर्षक की जरूरत थी।

नेटवर्क ने शीर्षक में देज़ी का नाम रखने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि दर्शक एक लैटिन मुख्य अभिनेता को स्वीकार नहीं करेंगे। लूसी ने धमकी दी कि वह शो कहीं और ले जाएँगी, तब नेटवर्क ने देज़ी का नाम दूसरे स्थान पर रखने की अनुमति दे दी। लेकिन लूसी को लगा कि शायद यह देज़ी को अच्छा न लगे।

आख़िरकार, किसी ने सुझाव दिया—"आई लव लूसी।" मामला तय हो गया। "शीर्षक में 'लव' हो, तो हम कैसे गलत जा सकते हैं?" लूसी ने सहमति जताई।

इसी सब हलचल के बीच, लूसी ने 17 जुलाई, 1951 को अपनी पहली संतान, लूसी देज़ीरे, को जन्म दिया।

नेटवर्क ने नए माता-पिता को “आई लव लूसी” के पहले सीज़न के लिए उनतालीस एपिसोड तैयार करने के लिए तीन महीने से भी कम समय दिया। दबाव बहुत ज़्यादा था। लेकिन किसी तरह, ज़िद्दी लूसी और दृढ़ निश्चयी देज़ी के बीच, सब कुछ हो ही गया।

6 सितंबर, 1951 को “आई लव लूसी” का पहला एपिसोड लाइव दर्शकों के सामने फिल्माया गया, जिनमें लूसी और देज़ी की गर्वित माताएँ भी शामिल थीं। लोग न केवल हँसे, बल्कि इतना तालियाँ बजाईं कि प्रफुल्लित कलाकारों को कई बार झुककर अभिवादन करना पड़ा।

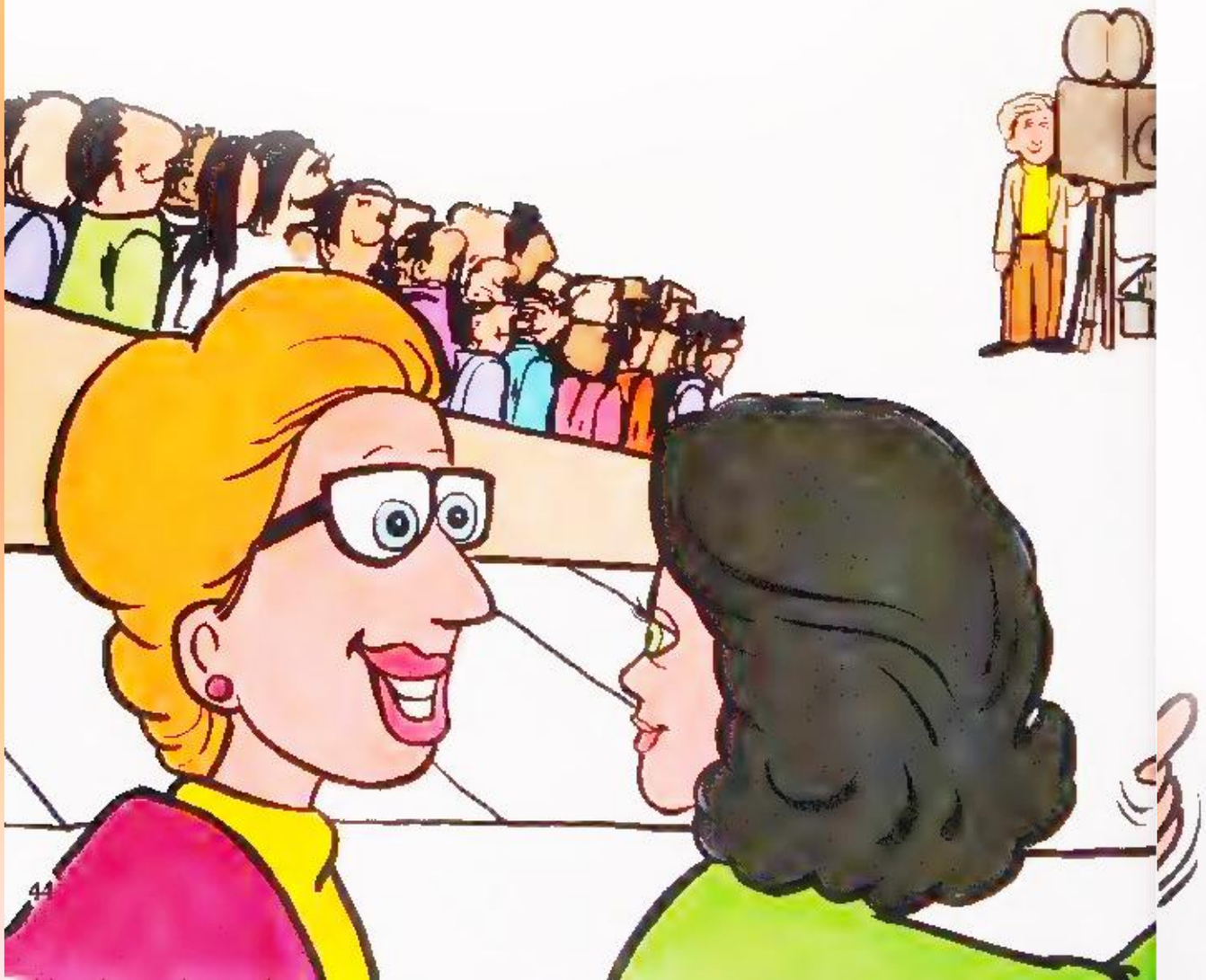

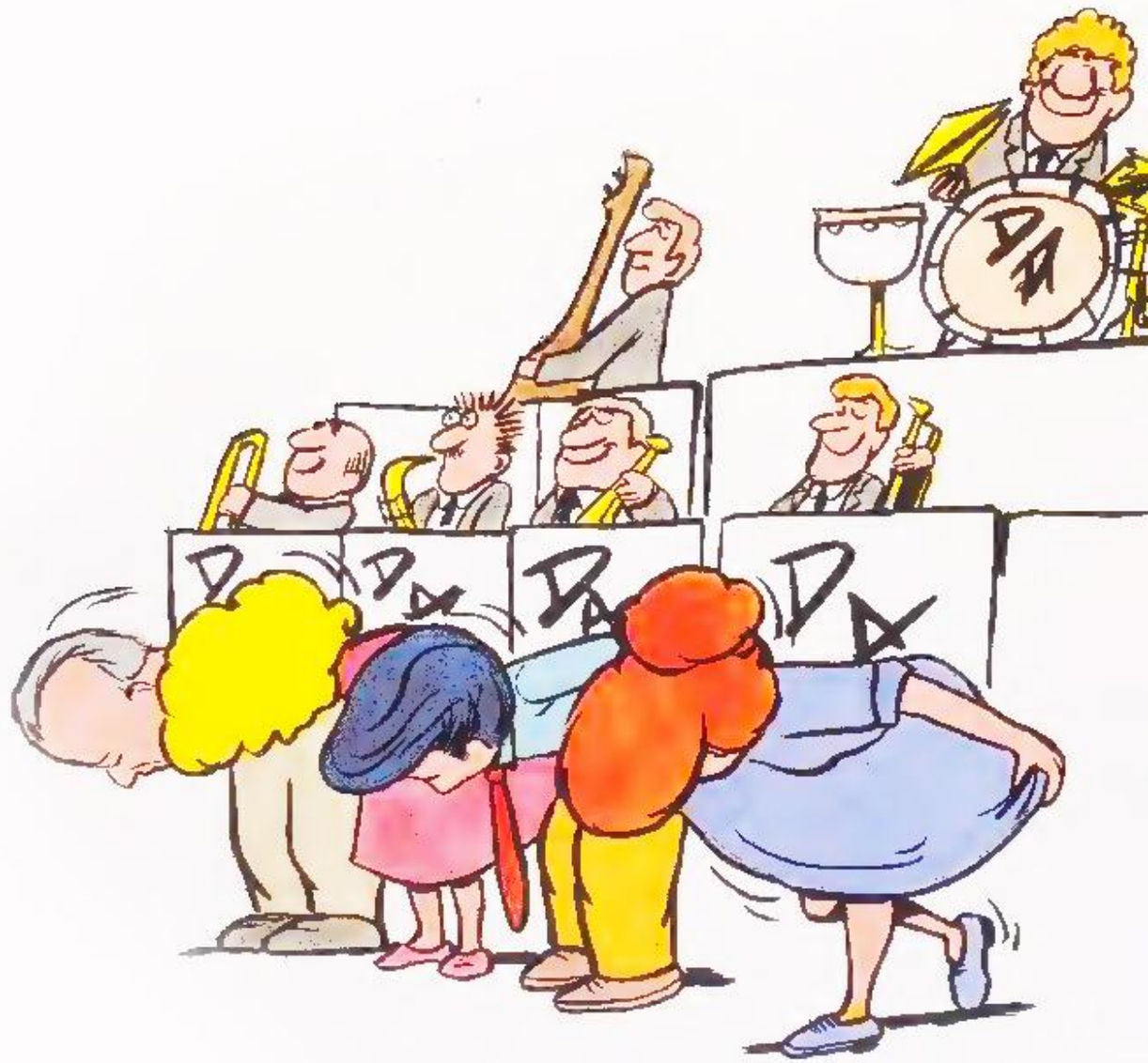

कलाकारों और तकनीकी दल ने अगले दिन सुबह घबराते हुए समीक्षाएँ देखीं। आलोचकों को शो पसंद आया, और दर्शकों ने तो उसे बेहद पसंद किया!

"आई लव लूसी" रॉकेट की तरह उछलकर ऊपर पहुँच गया। अरनाज़ दम्पति पर प्रशंसकों के पत्रों की बारिश होने लगी। शो सीधे टॉप टेन में जा पहुँचा—और वहीं बना रहा। लूसी और देज़ी का बड़ा दाँव सफल हो गया।

हालाँकि "आई लव लूसी" के हरेक एपिसोड के निर्माण की समय सीमा काफ़ी तंग रहती थी, पर कम से कम लूसी और देज़ी साथ थे, और वे छोटी लूसी की देखभाल के लिए भी समय निकाल लेते थे।

हर मंगलवार सुबह कलाकार नया स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए इकट्ठा होते थे। वे लेखकों के साथ सुझावों पर चर्चा करते, सुधार करते, और शाम 6 बजे तक रिहर्सल करते।

बुधवार को बड़े पैमाने पर रिहर्सल होती थीं, जिनमें कलाकार अपने संवाद याद करते थे। शाम 4:30 बजे कलाकार और तकनीकी दल पहला कैमरा रन-थ्रू करते थे, जिसके दौरान कैमरों की सबसे उपयुक्त स्थिति तय की जाती थी।

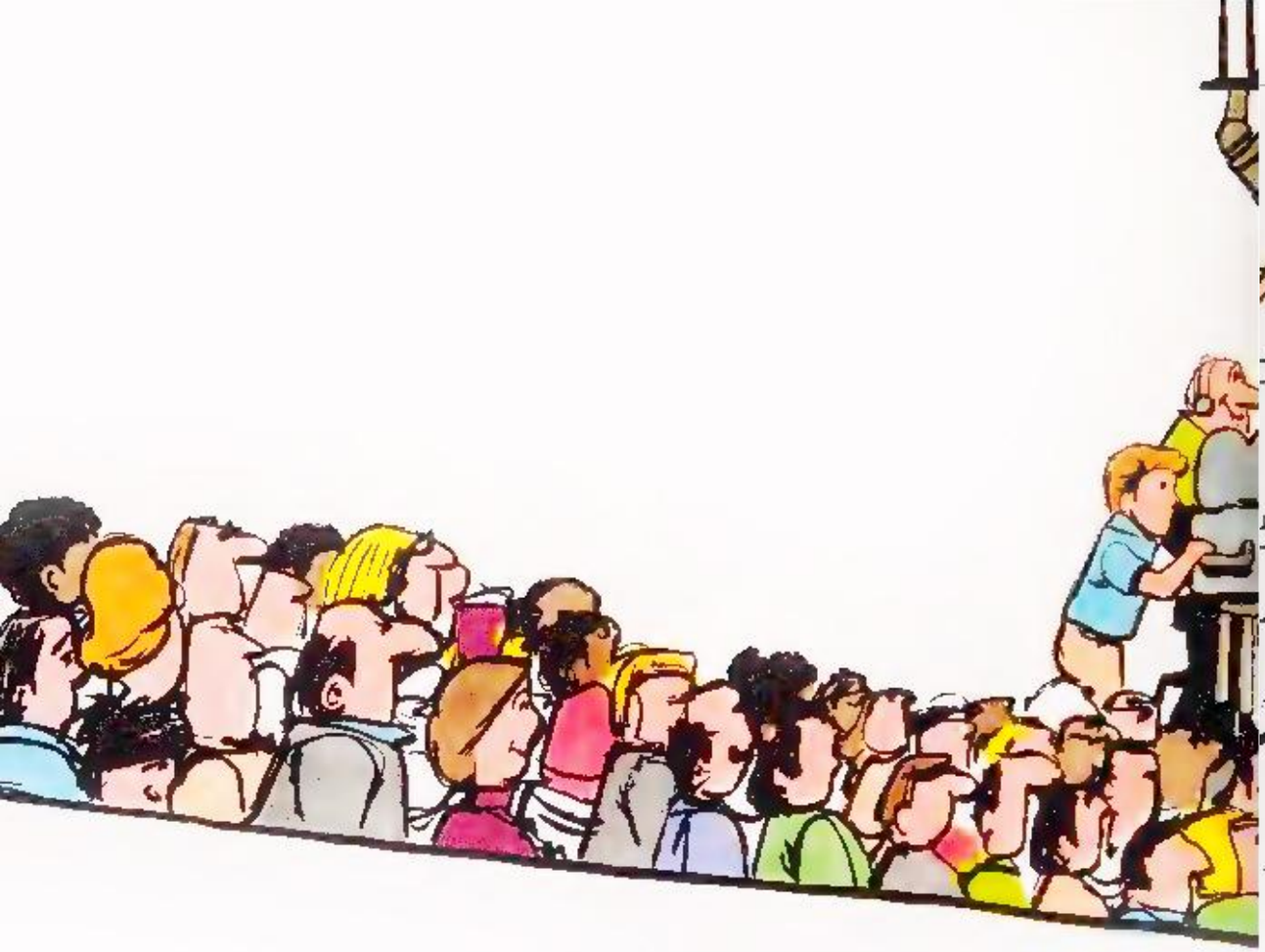

गुरुवार को भोर से दोपहर तक, तकनीकी दल लाइटें लगाता था, और स्क्रिप्ट की आवश्यकता के अनुसार दिन या रात — जितना संभव हो सके — न्यूयॉर्क अपार्टमेंट का माहौल तैयार करता था। कलाकार शाम 6 बजे तक रिहर्सल करते, फिर रात के खाने के बाद एक सटीक ड्रेस रिहर्सल के लिए लौटते।

आख़िरी मिनट के बदलाव, काट-छाँट और सुधार का काम तड़के तक चलता रहता था, जब तक कि शो बिल्कुल आधे घंटे (विज्ञापनों सहित) की अवधि में ठीक से फिट न हो जाए।

शुक्रवार को कैमरा टीम सावधानीपूर्वक शॉट्स सेट करती थी, और कैमरा ऐंगल तथा लाइटिंग में सुधार करती रहती थी, जब तक कि शाम 4:30 बजे अंतिम ड्रेस रिहर्सल न हो जाए। रात 8:00 बजे, “आई लव लूसी” शो लाइव दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाता,और फ़िल्माया जाता था।

दर्शकों को “आई लव लूसी” बेहद पसंद आया। शायद इसकी वजह यह थी कि हर कोई लूसी से खुद को जोड़ सकता था—वह ज़रूरत से ज़्यादा उत्साही, असुरक्षित बच्ची, जो हमेशा बिना सोचे कूद पड़ती है और लोगों को प्रभावित करने की कोशिश में खुद ही मज़ाक बन जाती है। जब दर्शक लूसी की बढ़ा-चढ़ा कर दिखाई गई परेशानियों पर हँसते थे, तो उन्हें इस बात में सुकून मिलता था कि कम से कम वे लूसी जितनी बड़ी गड़बड़ी तो कभी नहीं करते!

दर्शक इस बात की भी सराहना करते थे कि जैसे काल्पनिक ‘लूसी रिकार्डो’ कभी हार नहीं मानती, वैसे ही असल जिंदगी की लुसिल बॉल भी कभी हार नहीं मानती थी। वह हर नई योजना पर उसी अडिग उत्साह के साथ काम शुरू करती थीं। और चाहे वह कितनी भी मुसीबत खड़ी कर दें—देज़ी फिर भी उन्हें प्यार करता था। सुखद अंत तो शीर्षक में ही मौजूद था।

कड़ी मेहनत रंग लाई। अप्रैल 1952 तक, देश के दो-तिहाई टीवी दर्शक राष्ट्र के सर्वोच्च रेटिंग वाले शो, “आई लव लूसी,” को देख रहे थे।

इससे ज़्यादा आश्चर्य किसी को नहीं हुआ जितना स्वयं नेटवर्क को। शो को असफल मानकर लागत घटाने के इरादे से, उन्होंने अरनाज़ दम्पति को उनकी तनख़्वाह कम करने के बदले “आई लव लूसी” के सभी एपिसोड्स का पूर्ण स्वामित्व दे दिया था।

चूँकि फ़िल्माए गए शो बार-बार प्रसारित किए जा सकते थे, इसलिए लूसी और देज़ी जानते थे कि यह पुनःप्रसारण सचमुच एक सोने की खान साबित होंगे। और यदि यह खुशी के लिए पर्याप्त नहीं था—तो लूसी फिर से गर्भवती

र्शकों को “आई लव लूसी” बेहद पसंद आया। शायद इसकी वजह यह थी कि हर कोई लूसी से थीं!

नेटवर्क लूसी, देज़ी और लेखकों ज़्यादा खुश नहीं था। “आप शो में लूसी को गर्भवती नहीं दिखा सकते!” उन्होंने कहा।

लेकिन नेटवर्क को देज़ी और लूसी से “नहीं” कहना नहीं चाहिए था — वे ऐसा मान ही नहीं सकते थे। वे सीधे शो के प्रायोजक के पास पहुँचे और बताया कि लूसी–देज़ी की टीम ने देश का नंबर–वन टीवी शो दिया है। अगर नेटवर्क बीच में दखल देगा, तो वे अगले सीज़न में वही सफलता देने की गारंटी नहीं दे सकते।

प्रायोजक ने सहमति जताई कि सफल लेखक, तकनीकी दल और कलाकारों की टीम को शो अपने तरीके से करने की पूरी स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। अब केवल एक ही समस्या बची थी — लूसी के बच्चे के जन्म से पहले सभी एपिसोड्स की शूटिंग पूरी करना!

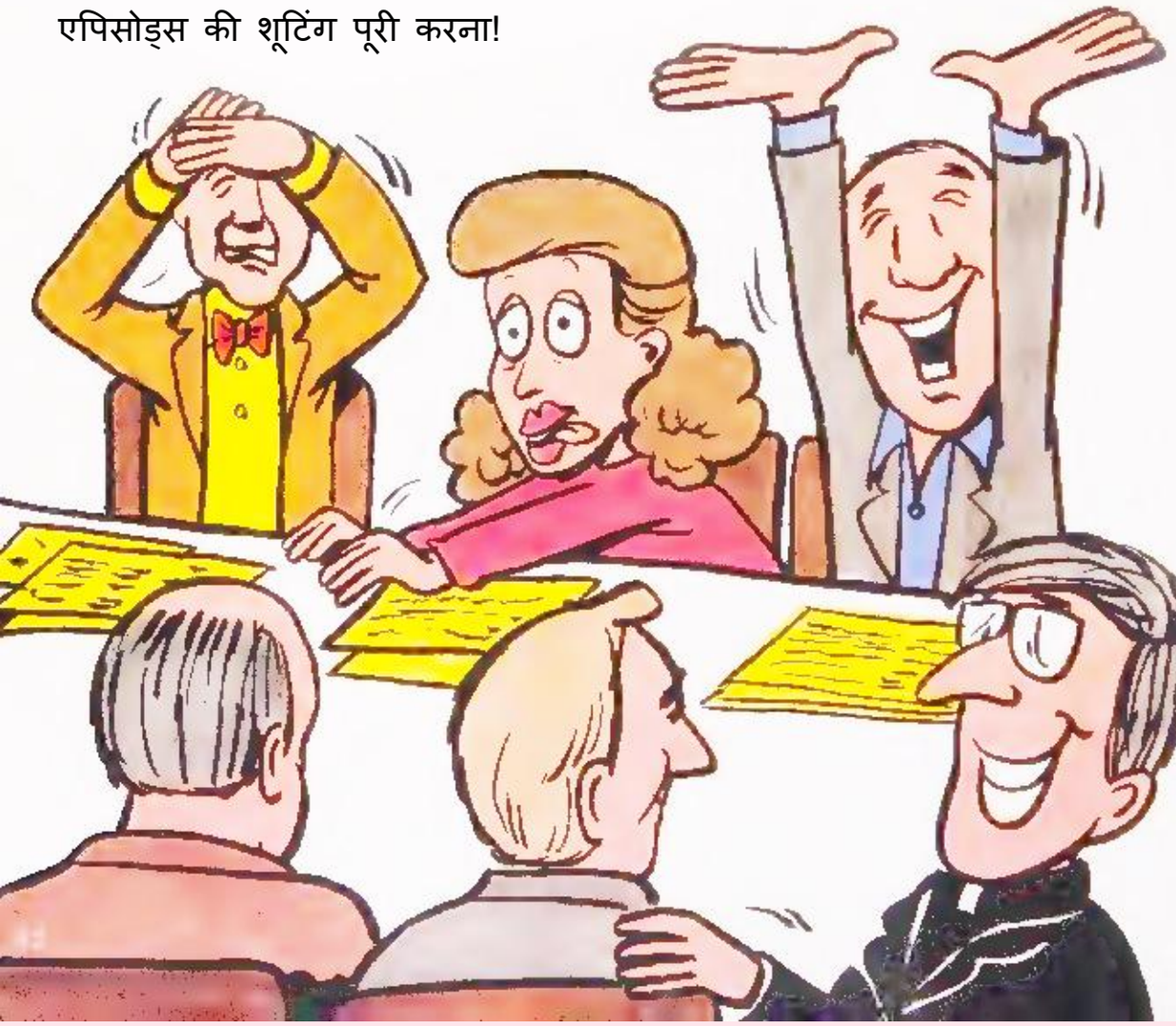

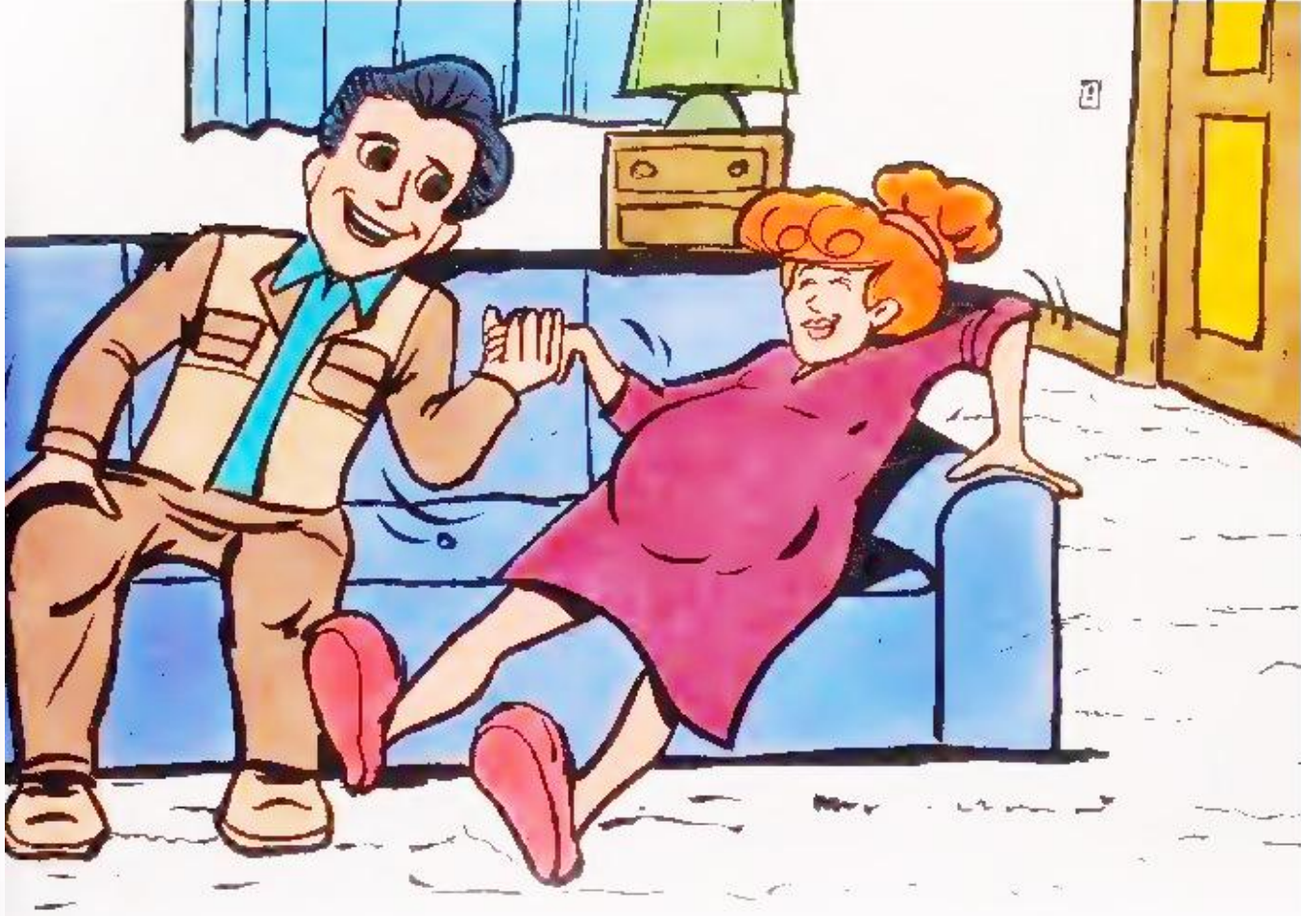

लेखकों ने गर्भावस्था के मज़ेदार पहलुओं को दिखाने वाली पटकथाएँ लिखने के लिए ओवरटाइम काम किया। उन्होंने एक ईसाई पादरी, और एक यहूदी धर्मगुरु से सलाह ली ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एपिसोड किसी भी रूढ़िवादी पारिवारिक दर्शक को नाराज़ न करें।

सात एपिसोड लूसी की गर्भावस्था पर आधारित थे। लेकिन लेखकों के सामने एक बड़ी समस्या आ गई। “बर्थ एपिसोड” की उनकी आख़िरी तारीख लूसी के वास्तविक बच्चे के जन्म से तीन महीने पहले की थी। उन दिनों डॉक्टर यह नहीं बता सकते थे कि गर्भ में पल रहा बच्चा लड़का होगा या लड़की। अगर शो में लूसी रिकार्डो ने एक बेटे को जन्म दिया और वास्तविक जीवन में लूसी अरनाज़ की बेटी हुई—तो शो से जुड़ी सारी पब्लिसिटी खराब हो जाती।

लेखकों ने कयास लगाया और लूसी रिकार्डो को एक बेटा दे दिया।

लूसी की डिलीवरी का दिन जैसे-जैसे करीब आ रहा था, उत्साह बढ़ता जा रहा था। रिपोर्टर अस्पताल में उमड़ पड़े थे; ऐसा लग रहा था मानो पूरा देश देज़ी के साथ अस्पताल की दालान में टहल रहा हो। हर कदम पर वह चिंतित था—क्या लूसी ठीक रहेगी? क्या वह बेटे को जन्म देगी? बर्थ एपिसोड उसी रात प्रसारित होने वाला था।

आख़िरकार, नर्सें डिलीवरी रूम से दौड़ती हुई बाहर आईं। "लड़का हुआ है!" उन्होंने देज़ी और रिपोर्टरों को पुकारकर बताया।

"यह तो लूसी ही कर सकती है!" देज़ी ने गर्व से कहा। "वह हमेशा शो के साथ पूरा सहयोग करने की कोशिश करती है!"

कुछ ही मिनटों में यह खबर पूरे विश्व में फैल गई। राष्ट्रपति आइज़नहावर के शपथ ग्रहण समारोह की खबर को भी देशभर के अखबारों में पीछे धकेल दिया गया, क्योंकि सुर्खियों में था— देज़ीडेरियो अल्बर्टो अरनाज़ वाई दे आचा चतुर्थ का जन्म। पूरा अमेरिका लूसी और देज़ी जितना ही खुश दिखाई दे रहा था।

उस रात प्रसारित हुआ "बर्थ एपिसोड" टेलीविजन इतिहास में दर्ज हो गया। चवालीस मिलियन लोगों ने देखा कि कैसे लूसी रिकार्डो ने छोटे रिक्की का दुनिया में स्वागत किया, जबकि अगले दिन आइज़नहावर के शपथ ग्रहण समारोह को केवल 29 मिलियन दर्शकों ने देखा।

इस अद्भुत प्रतिक्रिया को टेलीविज़न उद्योग ने अनदेखा नहीं किया। 5 फ़रवरी 1953 को लुसिल बॉल को दो एमी पुरस्कार मिले—टेलीविज़न के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक, पहला सर्वश्रेष्ठ कॉमेडियन के लिए और दूसरा सर्वश्रेष्ठ सिचुएशन कॉमेडी के लिए। आख़िरकार, इस शो ने कुल पाँच एमी और 100 से अधिक अन्य पुरस्कार जीते। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि शो को टेलीविज़न इतिहास में एक सम्मानित स्थान मिला।

"I Love Lucy" ने लाखों दर्शकों के दिलों में भी एक खास जगह बना ली। कुछ दर्शक वे गृहिणियाँ थीं, जो लूसी रिकार्डो की तरह ही अपने करियर की इच्छा रखती थीं। कुछ बच्चे लूसी से जुड़ाव महसूस करते थे, क्योंकि लूसी की तरह ही उनके अच्छे इरादे भी अक्सर मुसीबत खड़ी कर देते थे। पति और पिता देज़ी की दुविधाओं पर हँसते थे और खुशी से पुकारते, "हे लूसी, मैं घर आ गया," यह जाने बिना कि किस नई गड़बड़ी का सामना करना पड़ेगा।

लेकिन देज़ी और लूसी के टीवी वाले घर में चाहे कुछ भी गलत हो जाए—हमेशा इतना प्यार और हँसी मौजूद रहती थी कि अंत में सब कुछ ठीक हो ही जाता था।

देज़ी समझदारी से भरे व्यावसायिक फ़ैसले लेते रहे। उन्होंने अपनी प्रोडक्शन फ़ैसिलिटी का विस्तार किया और सैकड़ों शो बनाए, जिनमें "द अनटचेबल्स," "मिशन इम्पॉसिबल," और मूल "स्टार ट्रेक" जैसे हिट कार्यक्रम शामिल थे।

यह सोचकर कि "आई लव लूसी" अब जितना आगे जा सकती था, जा चुका है, देज़ी और लूसी ने 1956 सीज़न के बाद शो को समाप्त कर दिया। उन्होंने निराश नेटवर्क और दर्शकों को अन्य कॉमेडी स्पेशल्स के ज़रिए संतुष्ट किया।

देज़ी ने RKO स्टूडियोज़ खरीदने का अवसर तुरंत भुना लिया, जिससे लूसी उस स्टूडियो की सह-मालिक बन गईं जहाँ वह कभी एक पसीने से तर, फर-कोट पहने एक्स्ट्रा अभिनेत्री के रूप में काम करती थीं। देज़ी और लूसी का साम्राज्य दुनिया की सबसे बड़ी प्रोडक्शन सुविधाओं में से एक का मालिक बन चुका था—और यह सब "हास्य" पर खड़ा था।

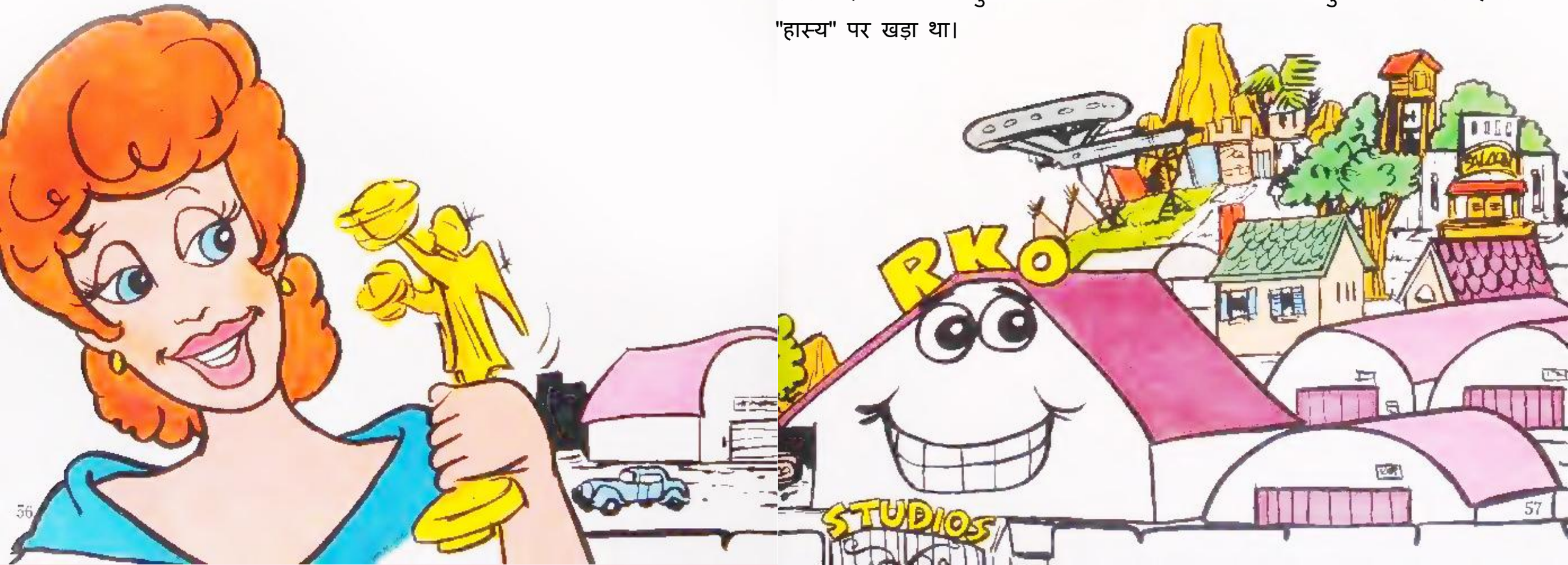

लेकिन जैसे पहले लंबे अलगाव ने उनके रिश्ते पर असर डाला था, वैसे ही अब बहुत अधिक काम का बोझ भी उन पर भारी पड़ने लगा। लूसी और देज़ी अपनी शादी को बचाए रखने की कोशिश करते रहे, लेकिन उनकी ज़िंदगियाँ धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर होती गईं। शादी चल नहीं रही थी, और देर सवेर उन्हें यह स्वीकार करना ही था। 1960 में, लाखों प्रशंसकों की निराशा के बीच, लूसी और देज़ी ने सौहार्दपूर्ण तरीके से तलाक ले लिया।

लूसी को लगा कि उनके लिए अब रोमांस ख़त्म हो चुका है। लेकिन टीवी से कुछ समय अवकाश लेकर ब्रॉडवे लौटने पर उनकी मुलाकात हुई—और प्यार भी हुआ—एक मध्यम रूप से सफल स्टैंड-अप कॉमेडियन, गैरी मॉर्टन से। गैरी शांत और स्नेही थे, और वे लूसी को हँसाते थे। एक महान कॉमेडियन को भी कभी-कभी किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत पड़ती है जो यह याद दिला सके कि हँसी ही जीवन को मज़ेदार और मूल्यवान बनाती है।

वे देज़ी की शुभकामनाओं के साथ विवाह बंधन में बँधे, और अगले सत्ताईस वर्षों तक खुशी-खुशी साथ रहे।

अधिक काम के कारण खराब स्वास्थ्य से पीड़ित होने पर, देज़ी ने स्टूडियो में अपनी हिस्सेदारी लूसी को बेच दी, जिससे वह किसी टेलीविजन स्टूडियो की पहली महिला प्रमुख बन गईं। उन्होंने स्वयं को एक अत्यंत सक्षम कार्यकारी साबित किया, साथ ही टेलीविज़न और फ़िल्मों—दोनों में—लगातार लोकप्रिय कलाकार बनी रहीं। अब उनके बच्चे, लूसी और देज़ी जूनियर, जो अब बड़े हो गए थे, ने भी अपने-अपने शो-बिज़नेस करियर बनाए, और लूसी को एक दादी बनने का सुख भी प्रदान किया।

लूसी अपनी सत्तर की उम्र पार करने के बाद भी आकर्षक और ऊर्जावान बनी रहीं। छिहत्तर वर्ष की उम्र में उन्होंने साहसपूर्वक "स्टोन पिलो " नामक एक टीवी फ़िल्म में एक बेघर महिला की गम्भीर भूमिका निभाई। अगले वर्ष, वह हृदय समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती हुईं।

“क्या आपको दर्द हो रहा है?” नर्स ने पूछा। “नहीं, लेकिन मेरी हेयर-डाई की अपॉइंटमेंट छूटी जा रही है,” लूसी ने शिकायत की— और इस तरह उन्होंने अस्पताल के कमरे को हँसी से भर दिया।

किसी भी स्थिति के लिए, चाहे वह कितनी ही गंभीर क्यों न हो, लूसी के पास हमेशा एक मज़ाक होता था। कई साल पहले सेलरॉन पार्क में देखे गए वॉडविल कलाकारों की तरह, लूसी ने दुनिया को उसके मज़ेदार रूप में देखकर आँसुओं को हँसी में बदल दिया।

जब उनका निधन हुआ, तो लूसी अपने प्यार करने वाले परिवार और दोस्तों से घिरी हुई थीं। वह एक दुखद दिन था, लेकिन हर कोई इस बात के लिए कृतज्ञ था कि लूसी ने उन्हें कितनी खुशी और हँसी दी थी।

और हँसी आज भी जारी है। दुनिया भर में प्रसारित होने वाले पुनर्प्रसारणों में, लूसिल बॉल लोगों को हँसाती हैं और उनकी परेशानियाँ भुला देती हैं, बिल्कुल वैसे ही जैसे उन्होंने अपने पूरे जीवन में किया।

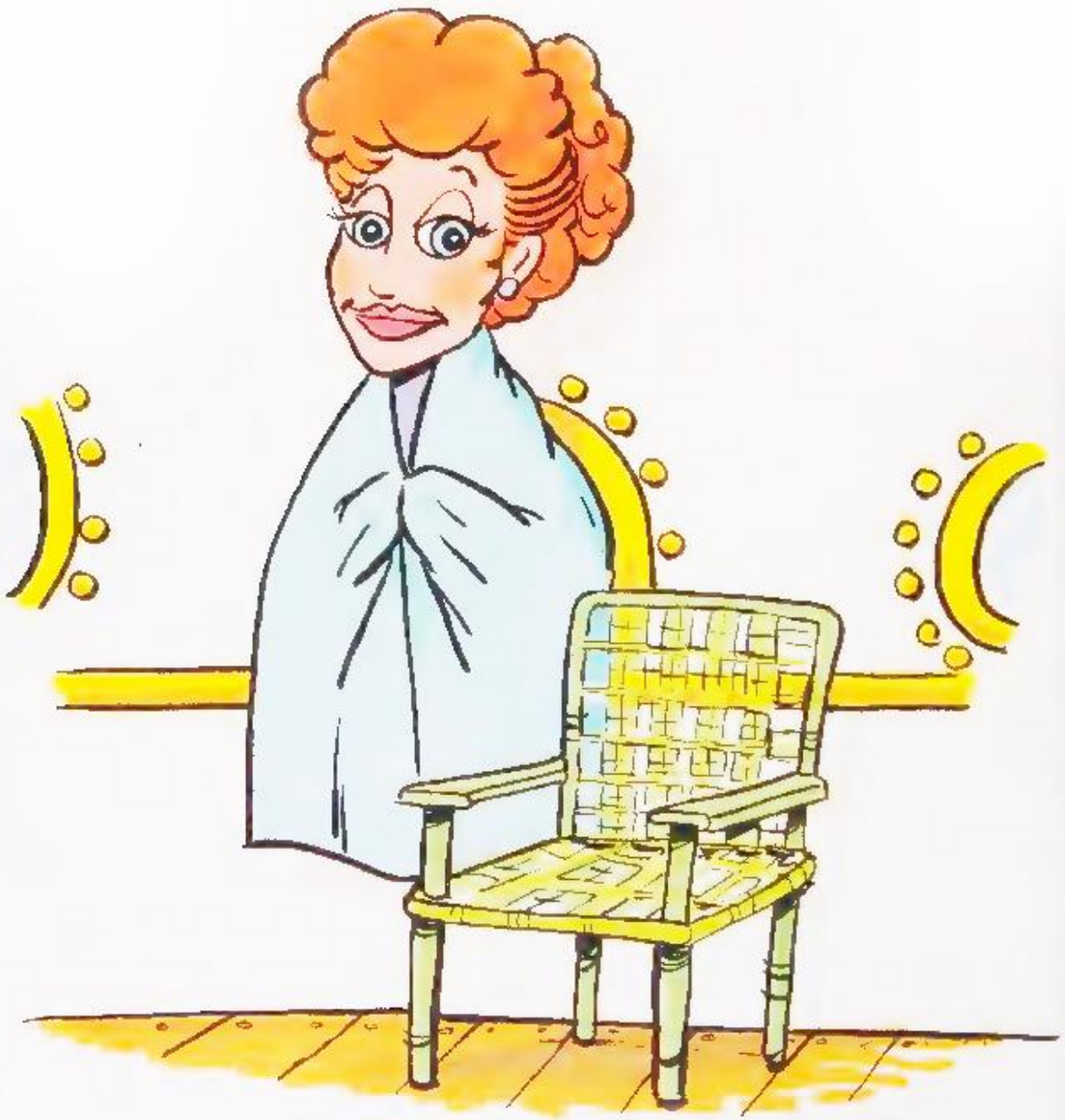

लूसिल बॉल
1911–1989

लूसिल बॉल का जन्म 6 अगस्त, 1911 को न्यूयॉर्क के जैम्सटाउन के उपनगर सेलरोन में हुआ था। उनके पिता, हेनरी बॉल, जब लूसी केवल साढ़े तीन वर्ष की थी, टाइफॉयड बुखार से चल बसे। उस समय उनकी माँ, डी-डी (जिनका पूरा नाम डेज़िरी था), लूसी के भाई फ्रेड से चार महीने की गर्भवती थीं।

डी-डी बॉल अपने पिता फ्रेड हंट और सौतेली माँ फ्लोराबेल के प्रेमपूर्ण घर लौट आईं, जहाँ छोटी लूसी संगीत, मस्ती और हँसी-खुशी के माहौल में पली-बढ़ीं।

जैसे ही लूसी और फ्रेड थोड़े बड़े हुए, वे पास के सेलरोन अम्यूज़मेंट पार्क गए, जहाँ लूसी वॉडविल शो और मूक फ़िल्मों से मोहित हो गईं। उन्होंने फ़िल्म अभिनेत्री बनने का सपना देखा और पियानो, गायन और नृत्य सीखना शुरू किया।

लूसी ने जैम्सटाउन हाई स्कूल बैंड और ड्रामा क्लब का आयोजन किया। बैंड के लिए संगीत की व्यवस्था और संचालन वह खुद करती थीं, और ड्रामा क्लब के लिए निर्माण के सभी पहलुओं को संभालती थीं—निर्देशन से लेकर अभिनय तक। लूसी एक सफल हाई-फ़ैशन मॉडल बन गईं, लेकिन सत्रह वर्ष की उम्र में उन्हें रूमेटॉइड आर्थराइटिस हो गया। दो वर्ष के इलाज और व्हीलचेयर में बिताए समय के बाद, लूसी अपने सपनों का पीछा करते हुए हॉलीवुड पहुँचीं, जहाँ उन्होंने एक्स्ट्रा के रूप में काम किया, अपने बालों को मशहूर चमकीले लाल रंग में रंगा, और धीरे-धीरे बड़ी फ़िल्म भूमिकाएँ हासिल कीं।

1937 की प्रसिद्ध फ़िल्म स्टेज डोर में लूसी ने एक छोटी भूमिका निभाई थी, और 1943 की कॉमेडी डू बैरी वाज़ अ लेडी में रेड स्केल्टन के साथ उनके काम की बहुत प्रशंसा हुई। अपने 84 फ़िल्मों वाले करियर में उन्होंने बॉब होप, बस्टर कीटन और मार्क्स ब्रदर्स के साथ भी काम किया।

एक फ़िल्म की शूटिंग के दौरान, लूसी की मुलाकात क्यूबा में जन्मे बैंड-लीडर देज़ी अरनेज़ से हुई। लूसी पहली ही नज़र में इस आकर्षक संगीतकार पर फ़िदा हो गईं। आकर्षण दोनों ओर से था, और 30 नवंबर 1940 को दोनों ने विवाह कर लिया।

लेकिन अलग-अलग करियर उन्हें दूर ले जा रहे थे, जब तक कि उन्होंने एक साथ काम करने और टेलीविज़न—एक नए माध्यम—में कदम रखने का निर्णय नहीं लिया। नेटवर्क इस बात को लेकर संदेह में था कि एक ऐसे शो में दर्शक रुचि लेंगे या नहीं, जो एक शो-बिज़ की दीवानी गृहिणी और उसके क्यूबन बैंडलीडर पति के कारनामों पर आधारित हो। परंतु लूसी और देज़ी ने लेखकों के साथ मिलकर अपने ही विवाह पर आधारित एक शो विकसित किया।

"आई लव लूसी" ने शुरू से ही रेटिंग्स में शीर्ष स्थान पाया और वर्षों तक वहीं बना रहा। जीवन कला से मिल गया जब लूसिल बॉल की वास्तविक गर्भावस्था को *आई लव लूसी* में शामिल किया गया। चवालीस मिलियन लोगों ने उस एपिसोड को देखा जिसमें छोटे रिक्की का आगमन दिखाया गया था—उसी दिन जब लूसी ने अपने दूसरे बच्चे, देज़ी जूनियर, को जन्म दिया।

लूसिल बॉल का वास्तविक जीवन उनके बचपन के सपनों से भी कहीं आगे निकल गया था। वह टेलीविज़न की सबसे लोकप्रिय कलाकार और विश्व-भर में प्रसिद्ध हस्ती बनीं, बिना कभी अपने आप पर हँसने की क्षमता खोए।

जब कार्य का दबाव उनके देज़ी के साथ बीस वर्षीय विवाह को समाप्त करने का कारण बना, तब लूसी को गैरी मॉर्टन में प्रेम और ख़ुशी मिली—एक कॉमेडियन, जिसने उनकी मृत्यु (सत्तहत्तर वर्ष की उम्र) तक उन्हें जीवन का मज़ेदार पक्ष दिखाते रहने में मदद की।

लूसिल बॉल अपने प्रशंसकों की स्मृतियों में, अपने बच्चों लूसी अरनेज़ लकिनबिल और देज़ी अरनेज़ जूनियर के शो-बिज़नेस करियर में, अपने पोते-पोतियों में, और *"आई लव लूसी"* के पुनर्प्रसारणों का आनंद ले रहे लाखों लोगों की हँसी में जीवित हैं।

समाप्त